शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 275 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 23 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

शारदीय नवरात्र

द्वितीय मां ब्रह्मचारिणी

आज मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना हो रही है। इनका उद्भव ब्रह्मा जी के कमंडल से माना जाता है। ब्रह्मा जी सृष्टि के सर्जक हैं। ब्रह्मचारिणी उनकी शक्ति। जब मानसपुत्रों से सृष्टि का विस्तार नहीं हो सका, तो ब्रह्मा जी की इसी शक्ति ने सृष्टि का विस्तार किया। इसी कारण स्त्री को सृष्टि का कारक माना गया। ब्रह्मचारिणी देवी ज्ञान, वैराग्य और ध्यान की अधिष्ठात्री हैं। इनके एक हाथ में कमंडल और दूसरे में रुद्राक्ष की माला है।

उपासना मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु सृष्टि रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

आजम खां सीतापुर जेल से रिहा

23 महीने बाद जेल से रिहाई, रामपुर रवाना

सीतापुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां मंगलवार को 23 माह बाद सीतापुर जिला कारागार से रिहा कर दिए गए। रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट में जुर्माना जमा होने के बाद आधिकारिक मेल जिला कारागार सीतापुर पहुंची जिला कारागार ई मेल पहुंचने के बाद कुछ देर बाद आजम खां को जेल से रिहा कर दिया गया। आजम खां की रिहाई को देखते हुए सीतापुर में पुलिस अलर्ट थी। 3-3 हजार के दो जुर्माने कोर्ट में जमा किए गए। जिसके बाद आजम खां को जेल से रिहा किया गया। आजम खां की रिहाई के वक्त जेल के बाहर बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद थे। कड़ी सुरक्षा में आजम खां रामपुर के लिए रवाना हो गए। जेल से रिहाई के दौरान आजम खां के दोनों बेटे मौजूद थे।

बता दें कि आजम की रिहाई की खबर सुनकर मंगलवार सुबह 5 बजे से ही समाजवादी पार्टी के विधायक अनिल वर्मा, समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं के **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

आजम खां पर लगे झूठे केस वापस लेंगे : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। सीतापुर जेल से 23 महीने बाद रिहा हुए आजम खां की रिहाई पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी रिहाई हमारे लिए खुशी का दिन है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने आजम खां पर झूठे केस लगाए लेकिन हमें उम्मीद थी कि आजम खां को न्याय मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर आजम खां के ऊपर लगाए गए झूठे केस खत्म किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए से घबरा गई है। यह लोग जाति धर्म के आधार पर लोगों को लड़ाते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि मेरे जाने के बाद मुख्यमंत्री आवास को भी धुलवा गया था। यह भाजपा की सोच उजागर करती है।

चार दोस्त व कैंटर चालक जिंदा जले

कैंटर व कार में जबरदस्त भिड़ंत

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़-कानपुर हाईवे पर गोपी ओवरब्रिज पर मंगलवार सुबह भीषण हादसा घटित हुआ है। एक कार डिवाइडर पार कर सामने से आ रहे कैंटर से टकरा गई जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई। कार में सवार चार लोग और कैंटर ड्राइवर की मृत्यु हो गई। कार सवार एक व्यक्ति को लोगों ने बचा लिया उसे अस्पताल भेजा गया है। कार गलत दिशा से डिवाइडर पार करते हुए कैंटर से टकराई।

अकराबाद क्षेत्र में यह हादसा सुबह लगभग 5:45 बजे हुआ। कार अलीगढ़ से कानपुर की ओर जा रही थी। हादसे के बाद मौके पर एसपी देहात अमृत जैन समेत आसपास के थानों का फोर्स पहुंचा।

पुलिस ने बताया कि अलीगढ़ में गोपी के पास कार और कैंटर की भिड़त में पांच लोग जिंदा जल गए। इनमें से चार सिकंदराराऊ के रहने वाले हैं। जबकि एक कैंटर का चालक है। एक दोस्त जिंदगी मौत से जूझ रहा है। चार युवकों की मौत से सिकंदराराऊ में मातम छा गया है। इनमें देव शर्मा निवासी मोहल्ला मटकोटा, मयंक ठाकुर निवासी पुरानी तहसील, हर्षित माहेश्वरी, अतुल यादव निवासी पंत चौराहा कासगंज रोड जिंदा जले हैं।

सुमित कुमार निवासी सिकंदरपुर माचरा का मूल निवासी है। सिकंदराराऊ में कासगंज रोड पर रहकर होटल पर नौकरी करता है। वह गंभीर रूप से घायल है। कैंटर चालक राजेश पुत्र सुनहरी निवासी कुबेरपुर निधौलीकलां एटा का रहने वाला है। वह भी हादसे में जिंदा जल गया।

पुलिस ने बताया कि सिकंदराराऊ के चार युवकों की हादसे में मौत से हर कोई दुखी है। उनके एक दोस्त फैज निवासी मटकोटा का जन्मदिन 22 सितंबर को जन्मदिन था। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कुट्टू का आटा खाने से 200 लोग बीमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के उत्तर पश्चिम जिला के विभिन्न इलाके में कुट्टू का आटा खाने के बाद सैकड़ों लोग बीमार हो गए। सभी को बाबू जगजीवन राम अस्पताल में लाया गया। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि मंगलवार तड़के 6.10 बजे जहांगीरपुरी थाना पुलिस को बड़ी संख्या में लोगों के कुट्टू का आटा खाने के बाद बेचैनी की शिकायत किए जाने की सूचना मिली।

सूचना पर पुलिस तुरंत बाबू जगजीवन राम अस्पताल पहुंची। जहां पूछताछ करने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशेष यादव ने बताया कि जहांगीरपुरी, महेंद्र पार्क, समयपुर, भलस्वा डेयरी, लाल बाग और स्वरूपनगर जैसे इलाकों से लगभग 150-200 लोग उल्टी की शिकायत लेकर आपातकालीन वार्ड में आए थे।

उन्होंने बताया कि सभी मरीजों की हालत स्थिर पाई गई। किसी को भी अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। किसी भी मामले की गंभीरता की सूचना नहीं है। पुलिस ने मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थानीय दुकानदारों, विक्रेताओं और निवासियों को बीट स्टाफ और जन संबोधन प्रणालियों के माध्यम से जागरूक कर रही है। मामले को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए खाद्य विभाग को भी सूचित कर दिया गया है।

सिर पर मारी ईंट, मारपीट कर दबंगों ने तोड़ दिए दांत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा में दो नामजद व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट करने तथा धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्राम कलौंदा निवासी जावेद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 21 सितंबर की सुबह उनका बेटा आकिब घर से अपने घेर की तरफ जा रहा था। वह जैसे ही शराफत के मकान के पास पहुंचा तो वहां पहले से ही घात लगाए हुए बैठे भीम उर्फ आजाद काले उर्फ मुजाहिद तथा अन्य युवकों ने उसे रोक लिया। इन लोगों ने आकिब के परिजनों पर टिप्पणियां करनी शुरू कर दी। आकिब ने जब इस बात का विरोध किया तो सभी आरोपी गाली गलौज पर उतर आए और मारपीट करने लगे। भीम उर्फ आजाद ने मारपीट के दौरान ईंट से आकिब के सर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट में आकिब के तीन दांत भी टूट गए। आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच बचाव कर आकिब को हमलावर युवकों के चंगुल से बचाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

जावेद के मुताबिक उसने मामले की शिकायत मुजाहिद के भाई रफाकत से की तो रफाकत ने भी उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

उत्तर प्रदेश के 127 राजनैतिक दलों को नोटिस

मुख्य निर्वाचन अधिकारी 06, 07, 08 एवं 09 अक्टूबर, 2025 को करेंगे व्यक्तिगत सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश राज्य के पते पर पंजीकृत 127 राजनैतिक दलों (आरयूपीपी) को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इन राजनैतिक दलों द्वारा वित्त वर्ष 03 वित्तीय वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24) के वार्षिक लेखापरीक्षित खाते निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत नहीं किए गए और वर्ष 2019 से अब तक वित्त 06 वर्षों में आयोजित विभिन्न निर्वाचनों में प्रतिभाग तो किया गया परन्तु निर्धारित समयावधि में निर्वाचन व्यय विवरणी दाखिल नहीं किया गया। प्राविधान यह है कि विधानसभा चुनाव के पश्चात 75 दिनों के भीतर और लोकसभा चुनाव के पश्चात 90 दिनों के भीतर निर्वाचन व्यय विवरणी दाखिल किया जाना अनिवार्य है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कारण बताओ नोटिस के सम्बंध में कहा कि इन सभी दलों के अध्यक्ष व महासचिव अपना प्रत्यावेदन, शपथ पत्र एवं सुसंगत अभिलेख आदि 03 अक्टूबर, 2025 तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 के कार्यालय, चतुर्थ तल, विकास भवन, जनपथ मार्केट, लखनऊ-226001 को उपलब्ध करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत सुनवाई हेतु 06, 07, 08 एवं 09 अक्टूबर, 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में प्रात: 10 बजे उपस्थित होकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि के दौरान यदि ऐसे किसी दल की ओर से कारण बताओ नोटिस के सम्बन्ध में प्रत्यावेदन उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो यह माना जायेगा कि ऐसे **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

7 वर्षीय बच्ची पर कुत्ते ने किया हमला

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-122 में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। यहां कुत्ते ने एक 7 वर्षीय बच्ची को बुरी तरह काट लिया। कुत्ते के हमले से बच्ची काफी डरी हुई है। सात वर्षीय काव्या त्रिपाठी निवासी C-16 अवनीश त्रिपाठी की पुत्री है, वह ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही थी। इसी दौरान एक स्ट्रीट डॉग ने उस पर हमला कर दिया, उसे घसीटा, नोचा और बुरी तरह काट लिया।

परिजनों के अनुसार, घटना के बाद बच्ची को तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि काव्या को शरीर के कई हिस्सों में गहरे घाव आए हैं और उसे एंटी-रेबीज़ इंजेक्शन दिए गए हैं।

यहां इस महीने का यह तीसरा मामला है जब सेक्टर-122 में आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों पर हमला हुआ है। इससे पहले भी दो और बच्चे इस खतरनाक समस्या का शिकार हो चुके हैं। सेक्टर-122 के निवासियों में इस घटना के बाद नाराजगी है।

अवैध हथियार के साथ बदमाश दबोचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना पुलिस ने अवैध असलाह के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम घनघोला गांव के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी की हल्दीराम फैक्ट्री के पास तांत्रिक भेष में एक व्यक्ति खड़ा हुआ है उसके पास कोई अवैध हथियार हो सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम को लेकर बताए स्थान पर पहुंची मुखबिर के इशारे पर पुलिस में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम आरिफ निवासी मोहल्ला फतेह कहानी कस्बा बिलासपुर थाना दनकौर बताया। आरिफ ने स्वीकार किया कि वह आपराधिक वारदातों को **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मकान में चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के म्यू सेक्टर में चोरों ने एक मकान से 50 हजार रुपए व अन्य सामान चोरी कर लिया। गृह स्वामी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सेक्टर म्यू-1 में रहने वाले आनंद कुमार राय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके ऊपर के फ्लोर पर कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। 18 सितंबर की रात्रि को चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर ग्राउंड फ्लोर पर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर घर से 50000 की नगदी तथा घर बनाने के उपयोग में आने वाले सामान को चोरी कर ले गए। चोरी करने के दौरान चोरों ने उनके मकान में तोड़फोड़ कर अस्त व्यस्त कर दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

एक साल बाद दर्ज हुआ मारपीट का मामला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना में 6 लोगों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है

ग्राम पचायतन इनायतपुर निवासी परमाल ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताएं कि 31 दिसंबर 2024 को वह अपने परिवार सहित घर में सो रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले शेखर, शीबू, बल्लू, भोले सुमित व कुंवर पाल उसके घर पर पहुंचे और गाली गलौज कर परिजनों को बाहर निकलने को कहा। शोर शराबा सुनकर वह घर से बाहर आए। इस दौरान उनके परिजन गौरव, कौशल व उनकी पत्नियां भी बाहर आ गई। घर के बाहर खड़े शेखर ने लोहे की रोड से जान से मारने की नीयत से गौरव के सिर पर वार कर दिया। लोहे के रोड लगने से गौरव का सिर फट गया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। मारपीट में उन्हें तथा परमाल को भी गंभीर चोटें आई बीच बचाव कर रही महिलाओं के साथ भी मारपीट की गई। आस पड़ोस के लोगों को इकट्ठा होते देखकर आरोपी जान से मारने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

किशोर घर से लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के पुराना हैबतपुर से एक (16 वर्षीय) किशोर घर से बिना बताए चला गया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पुराना हैबतपुर निवासी सुमित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 8 सितंबर की शाम को उनका (16 वर्षीय) भाई अनिल घर से बिना बताए कहीं चला गया। काफी देर बाद भी जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने अपने रिश्तेदारियों में भी अनिल की तलाश की लेकिन वहां भी कोई जानकारी नहीं मिली पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर किशोर की तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में मौत पर हुई एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में दो माह पूर्व सड़क हादसे में हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह मुकदमा मृतक की पत्नी ने दर्ज कराया है।

मूल रूप से जनपद बुलंदशहर की रहने वाली ममता देवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि वह हाल में एक मूर्ति के पास झुग्गी में रह रही है। 24 जुलाई की रात्रि को उसका पति विजय पाल 130 मी रोड पर सड़क पार कर रहा था। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में विजयपाल गंभीर रूप से घायल हो गया गंभीर अवस्था में उसे न्यू मेड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विजयपाल की हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया इलाज के दौरान यहां उसकी मौत हो गई पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

GST कट के बाद TV-AC व कपड़ों की सेल, ऑटो सेक्टर झूमा

जमकर खर्च कर रहे उपभोक्ता, ऑटो डीलरशिप पर उमड़ी भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा जीएसटी कटौती लागू होते ही उसका असर भी दिखने लगा है। वस्तुओं पर जीएसटी कटौती का इंतजार कर रहे उपभोक्ता जमकर खर्च करने लगे हैं। सोमवार को नई वस्तु एवं सेवा कर (GST) व्यवस्था लागू होने के साथ ही ऑटो डीलरशिप पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी और ऑनलाइन बिक्री में भी उछाल देखने को मिला। किराने का सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और रोजमर्रा की अन्य वस्तुओं की कीमतों में कमी से भी खरीदारी बढ़ गई है। कई ऑटो कंपनियों ने जीएसटी कट के **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

इलेक्ट्रॉनिक्स में ज्यादा नहीं बढ़ी सेल

इलेक्ट्रॉनिक स्टोर्स ने अपनी सामान्य बिक्री संख्या दर्ज की, जबकि कस्टमर्स ने समानों की पूछताछ ज्यादा की। ज्यादातर स्टोर्स ने TV और एयर-कंडीशनर जैसे सेक्शन में सेल्स स्टाफ बढ़ा दिया था। उम्मीद की जा रही है कि इलेक्ट्रॉनिक्स समानों की सेल आने वाले दिनों में तेजी से बढ़ेगी। कंपनियां कम से कम 20 फीसदी ज्यादा ग्रोथ की उम्मीद लगा रहे हैं।

एक दिन में 25000 वाहनों की डिलीवरी

मारुति सुजुकी के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि हमने पिछले 35 सालों में ऐसा नहीं देखा। उन्होंने कहा कि पहले ही दिन हम 25000 से ज्यादा कारों की डिलीवरी कर चुके हैं और जल्द ही 30 हजार कारों की डिलीवरी होने की उम्मीद है। पहले दिन कार और बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स समानों के लिए मांग अच्छी रही, लेकिन फैशन और किराना खुदरा विक्रताओं के लिए यह स्थिति सामान्य रही। हालांकि कंपनियों का कहना है कि आगे खर्च में व्यापक बढ़ोतरी हो सकती है।

मारुति ने बताया कि छोटी कारों की बुकिंग में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. पुराने स्टॉक खत्म भी होने वाले हैं। हुंडई मोटर इंडिया के तरुण गर्ग ने कहा कि पहले ही दिन एचएमआईएल ने लगभग 11,000 डीलर बिलिंग दर्ज की, जो पिछले पांच साल में हमारा सर्वोच्च रिकॉर्ड है।

फ्लिपकार्ट और अमेजन ने सोमवार को अपने त्योहारी सेल की शुरुआत की, जिसमें विक्रेताओं और ब्रांडों ने जीएसटी कटौती के कारण अच्छी सेल की. फैशन ब्रांड की सेल में 15 से 20 फीसदी की ग्रोथ देखी गई. कपड़ा ब्रांड लिबास के फाउंडर और मुख्य कार्यकारी सिद्धांत केशवानी ने कहा कि यह संशोधन आम फैशन के बहुत फायदेमंद है, जिसपर अब केवल 5 फीसदी जीएसटी लगता है और इसकी डिमांड भी अच्छी है।

मार्केट से दो लोगों के मोबाइल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मार्केट में खरीदारी करने गए दो लोगों के मोबाइल फोन चोरी हो गए। पीड़ितों ने थाना बिसरख में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 16 नोएडा एक्सटेंशन में रहने वाले पुष्पेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 7 सितंबर की शाम को रोजा याकूबपुर मार्केट में खरीदारी करने के लिए गए थे। इस दौरान किसी ने उनकी जेब से सैमसंग गैलेक्सी ए 14 मोबाइल फोन निकाल लिया। फोन चोरी होने का एहसास होने पर उन्होंने अपने फोन की तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

अपनों पर बमबारी

पाक सत्ता के कुशासन व भेदभाव से त्रस्त उसके कई राज्यों के नागरिक दमन के खिलाफ मुखर विरोध जताते रहे हैं। जिसमें पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत, खैबर पख्तूनख्वा के लोग भी शामिल हैं। गरीबी-महंगाई और हाल के हफ्तों में भारी बाढ़ की तबाही झेल रहे खैबर के असहाय लोग अब एक क्रूर सैन्य अभियान का भी दंश झेल रहे हैं। कहने को तो पाक सेना के इशारे पर मुहिम चला रही सरकार का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों का सफाया करने के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि तिराह घाटी में पाकिस्तानी वायु सेना के विमानों द्वारा किए गए बम विस्फोटों में महिलाओं-बच्चों समेत करीब तीस नागरिकों की जान चली गई है। इस घटना के बाद पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने अफगानिस्तान सीमा के पास हुए हवाई हमलों की जांच की मांग की है। हमेशा की तरह की झूठी कहानी गढ़ने में मशहूर पाकिस्तानी पुलिस की दलील है कि इन मौतों के लिये उस परिसर में हुए विस्फोट जिम्मेदार हैं, जहां टीटीपी ने विस्फोटक सामग्री जमा कर रखी थी। दरअसल, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वारा पाकिस्तान के आतंकवाद फैलाने के मंसूबों को बेनकाब किया है। जिसके जवाब में पाकिस्तान सेना के फील्ड मार्शल असीम मुनीर यह दिखावा करने पर तुले हुए हैं कि उनका देश आंतकवाद का पोषक नहीं बल्कि इससे पीड़ित देश है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान में यह चाल खूब चली है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भारतीय धरती पर हुए इस भयावह नरसंहार के लिये पाकिस्तान को दोषी ठहराने से कतरा रहा है, भले ही इसके स्पष्ट संकेत हों। दरअसल, कथित रूप से आतंकवाद से निपटने के बहाने, पाकिस्तान का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई सरकार को कमजोर करने की भरसक कोशिश कर रहा है। वास्तव में पाक हुकमरान अतीत में भी सेना के इशारे पर विपक्षी राजनीतिक दलों के दमन के लिये अभियान चलाते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की मुख्य विपक्षी पार्टी पीटीआई अपने संस्थापक, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दो साल से जेल में बंद होने के विरोध में पहले ही संघर्ष जारी रखे हुए है। पूरे देश में पीटीआई कार्यकर्ताओं को जेलों में डाला जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान की सत्ता में काबिज वर्ग विशेष के खिलाफ प्रतिरोध का स्वर मुखर करने वाले प्रांतों में लोगों के सफाये के लिये सुनियोजित अभियान चलाये जाते रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा में लंबे समय से मानवाधिकारों के हनन और लोगों के जबरन विस्थापन के खिलाफ लगातार विरोध के स्वर उभरते रहे हैं। अब इस हवाई हमले ने पाकिस्तान सरकार के नापाक मंसूबों को सारी दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो अपने सोते हुए नागरिकों पर बम बरसाकर खतरनाक इरादों को अंजाम दे रही है। विडंबना यह है कि जो पाकिस्तान भारत के खिलाफ दशकों तक सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक रहा है, अब यह चाहता है कि तालिबान सरकार सुनिश्चित करे कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिये न हो। इसमें दो राय नहीं कि पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के दुस्साहस के चलते ही अफगानिस्तान के साथ उसके देश के संबंधों को नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के इस टकराव के रवैये के कारण पाकिस्तान व अफगानिस्तान के रिश्ते सबसे खराब दौर में पहुंच गए हैं। निस्संदेह, इससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता खतरे में पड़ गई है। सही मायनों में खैबर पख्तूनख्वाह में मची तबाही पर भारत को पाक पर आंख बंद करके विश्वास करने वाले चीन, अमेरिका और तुर्की जैसे देशों को इस हकीकत से अवगत कराना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा अपने ही नागरिकों पर किए जा रहे अत्याचारों पर आंख मूंद लेने के लिए भारत को इन देशों को आड़े हाथ लेना चाहिए। समय-समय पर भारत व पाकिस्तान को लेकर दोहरे मापदंड अपनाने वाले इन देशों को हकीकत से अवगत होना जरूरी भी है। उन्हें याद रखना चाहिए कि वे भारत व पाकिस्तान को एक तराजू में रखकर नहीं तोल सकते हैं।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि भगवान विष्णु के चार भुजाएँ हैं, ब्रह्माजी के चार मुख हैं, शिवजी का विकट (भयानक) वेष है और उनके पाँच मुँह हैं। हे सखी! दूसरा देवता भी कोई ऐसा नहीं है, जिसके साथ इस छबि की उपमा दी जाए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-बय किसोर सुषमा सदन स्याम गौर सुख धाम।
अंग अंग पर वारिअहिं कोटि कोटि सत काम॥

इनकी किशोर अवस्था है, ये सुंदरता के घर, साँवले और गोरे रंग के तथा सुख के धाम हैं। इनके अंग-अंग पर करोड़ों-अरबों कामदेवों को निछावर कर देना चाहिए॥

कहहु सखी अस को तनु धारी। जो न मोह यह रूप निहारी॥
कोउ सप्रेम बोली मृदु बानी। जो मैं सुना सो सुनहु सयानी॥

हे सखी! (भला) कहो तो ऐसा कौन शरीरधारी होगा, जो इस रूप को देखकर मोहित न हो जाए (अर्थात यह रूप जड़-चेतन सबको मोहित करने वाला है)। (तब) कोई दूसरी सखी प्रेम सहित कोमल वाणी से बोली- हे सयानी! मैंने जो सुना है उसे सुनो-॥

ए दोऊ दसरथ के ढोटा। बाल मरालन्हि के कल जोटा॥
मुनि कौसिक मख के रखवारे। जिन्ह रन अजिर निसाचर मारे॥

ये दोनों (राजकुमार) महाराज दशरथजी के पुत्र हैं! बाल राजहंसों का सा सुंदर जोड़ा है। ये मुनि विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा करने वाले हैं, इन्होंने युद्ध के मैदान में राक्षसों को मारा है॥

(क्रमशः..)

शारदीय नवरात्रि : मां दुर्गा का गज पर आगमन-वर्षा और समृद्धि का संकेत

गोंदिया-वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत आध्यात्मिक, आस्था का प्रतीक रहा है, जो हजारों वर्षों पूर्व के इतिहास में दर्ज है,जिसे हम कहानियों मान्यताओं के रूप में अपने पूर्वजों, पूर्वज पीडियों और वर्तमान में बड़े बुजुर्गों से सुनते आ रहे हैं। भारत एक सर्वधर्म धर्मनिरपेक्ष देश है जहां हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सहित अनेकों जातियों प्रजातियों उपजातियों द्वारा अपने-अपने स्तर व मान्यताओं के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। किसी को कोई पाबंदी नहीं है, यही भारतीय संविधान की खूबसूरती है,यह हम आज इसलिए कह रहे हैं,क्योंकि 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक शुभ नवरात्रा दिवस हैं जो प्रतिवर्ष सितंबर-अक्टूबर महीने की भिन्न-भिन्न तिथियों में मनाए जाते हैं। ज्योतिषीय गणना में कभी- कभी तिथियों की वृद्धि या क्षय होता है। 2025 में चतुर्थी तिथि दो बार आ रही है,जिसके कारण यहनवरात्रि 10 दिन की मानी जाएगी। शास्त्रों के अनुसार इस स्थिति में पूजा-विधान में किसी प्रकार की कमी नहीं होती,बल्कि इसे और अधिक शुभ और मंगलकारी माना जाता है। भक्तों के लिए यह अतिरिक्त दिन साधना और देवी उपासना का अवसर है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हुँ कि भारतीय संस्कृति में नवरात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आध्यात्मिक साधना, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का विराट पर्व है।शारदीय नवरात्रि वर्ष में आने वाली चार नवरात्रियों में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस बार 2025 की शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर, सोमवार से प्रारंभ हो रही है और 1 अक्टूबर तक चलेगी।सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस बार नवरात्रि 9 नहीं बल्कि 10 दिनों की होगी, क्योंकि चतुर्थी तिथि की वृद्धि (अधिमास) के कारण एक अतिरिक्त दिन जुड़ रहा है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर पृथ्वी पर आ रही हैं, जो समृद्धि, शांति और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में देवी का हाथी पर आगमन कृषि समृद्धि, वर्षा की प्रचुरता और सामाजिक संतुलन का द्योतक है।यह किसी एक राज्य में नहीं बल्कि अनेक राज्यों में गहरी आस्था के साथ मनाया जाता है। इस अवधि में कठोर व्रत रखा जाता है अपनी- अपनी मान्यता सार्थकता के अनुसार- चप्पल नहीं पहनना, बाल शेविंग नहीं बनाना, नीचे धरती पर सोना, ब्रह्मचर्य रहना मौन धारण करना सहित अपनी शक्ति के अनुसार अनेक प्रकारों की के बातों से दूर रहने का पालन अपनी मनोकामना पूरा करने, फल की चाहना के लिए मां दुर्गा काली से कामना करते हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार मां दुर्गा गज यानें हाथी पर विराजमान होकर आ रही है।कुछ वर्षा साथ सुख शांतिसमृद्धि लेकर व विसर्जन के दौरान भी वर्षा का योग है। चूंकि इस वर्ष 9 के स्थान पर 10 दिन की नवरात्रा विशेष महत्वपूर्ण योग लेकर आई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शारदीय नवरात्रि 2025-गज पर सवार होके आजा शेरांवालिएं- शेरावालिएं मां ज्योतावांलि एं नवरात्रि

अब केवल भारत का त्योहार नहीं रहा, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया है। शारदीय नवरात्रा पर्व याद दिलाता है कि महिला केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज की रक्षक और ऊर्जा का स्रोत भी है।

साथियों बात अगर हम इस बार 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक माता की सवारी और उसके महत्व की करें तो,इसबारशारदीय नवरात्रि की शुरुआत सोमवार से हो रही है और जब सोमवार के दिन से नवरात्रि शुरू होती है तो माता का वाहन हाथी होता है। हाथी पर सवार होकर माता का आगमन अधिक वर्षा उत्सव कष्टों से मुक्ति,सुख समृद्धि का संकेत देता है। वैसे तो अलग- अलग वार याने दिन के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा के वाहन डोली, नाव, घोड़ा, भैंसा, मनुष्य व हाथी होते हैं, मान्यता के अनुसार यदि नवरात्रा सोमवार या रविवार से शुरू हो रही है तो मां दुर्गा का वाहन हाथी होता है, जो अधिक वर्षा के संकेत देता है। वहीं यदि नवरात्रि मंगलवार और शनिवार शुरू होती है, तो मां का वाहन घोड़ा होता है, जो सत्ता परिवर्तन का संकेत देता है। इसके अलावा गुरुवार याशुक्रवार से शुरू होने पर मां दुर्गा डोली में बैठकर आती हैं जो रक्तपात, तांडव, जन-धन हानि का संकेत बताता है। वहीं बुधवार के दिन से नवरात्रि की शुरुआत होती है, तो मां नाव पर सवार होकर आती हैं। नाव पर सवार माता का आगमन शुभ होता है। अगर नवरात्रि का समापन रविवार और सोमवार के दिन हो रहा है, तो मां दुर्गा भैंसे पर सवार होकर जाती हैं, जिसे शुभ नहीं माना जाता है। इसका मतलब होता है कि देश में शोक और रोग बढ़ेंगे।वहीं शनिवार और मंगलवार को नवरात्रि का समापन हो तो मां जगदंबे मुर्गे पर सवार होकर जाती हैं। मुर्गे की सवारी दुख और कष्ट की वृद्धि को ओर इशारा करता है। बुधवार और शुक्रवार को नवरात्रि समाप्त होती है, तो मां की वापसी हाथी पर होती है,जो अधिक वर्षा को ओर संकेत करता है। इसके अलावा यदि नवरात्रि का समापन गुरुवार को हो रहा है तो मां दुर्गा मनुष्य के ऊपर सवार होकर जाती हैं, जो सुख और शांति की वृद्धि की ओर इशारा करता है।

साथियों बात अगर हम नवरात्रि के प्रत्येक दिन की देवी और पूजा को समझने की करें तो (1)प्रथम दिन-शैलपुत्री,पर्वतराज हिमालय की पुत्री, शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक।(2)द्वितीय दिन- ब्रह्मचारिणी - तप, संयम और भक्ति की देवी। (3) तृतीय दिन-चंद्रघंटा-शौर्य और साहस का स्वरूप (4) चतुर्थी- कूष्मांडा- सृष्टि की अधिष्ठात्री, उर्जा की देवी।(5) पंचमी-स्कंदमाता- मातृत्व और करुणा का प्रतीक।(6) षष्ठी-कात्यायनी-युद्ध और साहस की अधिष्ठात्री।(7)सप्तमी - कालरात्रि-भय को नष्ट करने वाली शक्ति।(8)अष्टमी- महागौरी - शुद्धता और मोक्ष की देवी।(9) नवमी- सिद्धिदात्री-सिद्धियों की अधिष्ठात्री।10)दशमी-विशेष पूजन (विजयादशमी)-दुर्गा विसर्जन, शक्ति की विजय और जीवन में संतुलन।

साथियों बात कर हम कन्याओं और देवी के शास्त्रों की पूजा को समझनें की करें तो,अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें, इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए, इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए. इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए, दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए। पूजा के बाद रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए, 2 साल की कन्या को कुमारी कहा जाता है,इनकी पूजा से दुख और दरिद्रता खत्म होती है। 3 साल की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है, त्रिमूर्ति के पूजन से धन- धान्य का आगमन और परिवार का कल्याण होता है।4 साल की कन्या कल्याणी मानी जाती है, इनकी पूजा से सुख-समृद्धि मिलती है। 5 साल की कन्या रोहिणी माना गया है. इनकी पूजन से रोग-मुक्ति मिलती है। 6 साल की कन्या कालिका होती है. इनकी पूजा से विद्या और राजयोग की प्राप्ति होती है। 7 साल की कन्या को चंडिका माना जाता है. इनकी पूजा से ऐश्वर्य मिलता है। 8 साल की कन्या शांभवी होती है. इनकी पूजा से लोकप्रियता प्राप्त होती है। 9 साल की कन्या दुर्गा को दुर्गा कहा गया है. इनकी पूजा से शत्रु विजय और असाध्य कार्य सिद्ध होते हैं। 10 साल की कन्या सुभद्रा होती है। सुभद्रा के पूजन से मनोरथ पूर्ण होते हैं और सुख मिलता है। पूरे वर्ष में,चार नवरात्रि मनाई जाती है। यह नवरात्रि शारदीय होगी, जो आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तिथि तक मनाई जा रही है। इस दौरान, भक्त मां दुर्गा और उनके नौ अवतारों - नवदुर्गाओं की पूजा करते हैं। यह त्यौहार नौ दिनों तक मनाया जाता है, इसलिए सही तिथियों और कलश स्थापना के सही मुहूर्त को जानना आवश्यक है। नवरात्रि के पहले दिन ही कलश स्थापना की जाती है। मान्यता है कि कलश स्थापना मुहूर्त में ही करनी चाहिए, क्योंकि नौ दिनों यह देवी के स्वरूप में आपके निवास स्थान में विराजमान रहता है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर परनवरात्रि उत्सव 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 की करें तो,गुजरात-गरबा और डांडिया का वैश्विक प्रसिद्ध आयोजन।पश्चिम बंगाल-दुर्गा पूजा, पंडाल और कला का अद्भुत संगम।उत्तर भारत- रामलीला और दशहरा उत्सव।

दक्षिण भारत-गोलु प्रदर्शनी, भक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ। दुनिया में नवरात्रि- आज प्रवासी भारतीय समुदाय पूरी दुनिया में नवरात्रि को मनाता है।अमेरिका और कनाडा-गरबा नाइट्स और दुर्गा पूजा के विशाल आयोजन।ब्रिटेन-लंदन में दुर्गा पूजा पंडाल अंतरराष्ट्रीय आकर्षण।ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड-भारतीय प्रवासी समुदाय का सांस्कृतिक उत्सव।खाड़ी देश-दुबई,अबू धाबी और दोहा में विशाल गरबा महोत्सव मनाया जा रहा है।नवरात्रि अब केवल भारत का त्योहार नहीं रहा,बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 2025 की शारदीय नवरात्रि अपनी 10 दिवसीय विशेषता, हाथी पर माता दुर्गा के आगमन और वैश्विक स्तर पर उत्सव के आयोजन के कारण ऐतिहासिक महत्व रखती है।यह पर्व हमें सिखाता है कि सच्ची शक्ति केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक साधना और आत्मबल में निहित है।आज की दुनिया में नवरात्रि केवल धार्मिक पर्व न होकर सांस्कृतिक एकता, स्त्री सम्मान, पर्यावरणीय जागरूकता और वैश्विक भारतीयता का प्रतीक बन चुकी है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

सूचनाओं की शक्कर (व्यंग्य)

कल शक्कर खरीदने गया तो समझदार दुकानदार ने आकर्षक पैक में जैविक शक्कर पेश की, जैविक को अंग्रेज़ी में आर्गेनिक कहते हैं। आजकल आर्गेनिक के नाम पर काफी कुछ बिक रहा है। इसलिए मैंने देसी शक्कर मांगी जो सदियों से पंजाब में गन्ने के खेतों में बनाई जाती है। उस शक्कर को भी दर्जनों कम्पनियां आकर्षक पैकिंग में बेच रही हैं। घटिया किस्म के पालिथीन में पैक कर भी बिक रही है और खुली भी उपलब्ध है। शक्कर के भी कई रंग ढंग हैं। सुना है भूरे रंग में मिलने वाली शक्कर वास्तव में कम प्रसंस्कृत यानी कम प्रोसेस्ड होती है। गुड़ की मिठास बढाने के लिए चीनी डाली जा रही है तो शक्कर में भी डाली जा सकती है।

शक्कर को कई बार मज़ाक में शक कर भी बोल देता हूं क्यूंकि पता नहीं चलता बढ़िया कौन सी है। मेरी पत्नी को संतरी से रंग की शक्कर पसंद नहीं है। इसलिए जिस रंग की पसंद है एक पैक खरीद लिया। शक्कर तो खाने के बाद ही पसंद आएगी, फिलहाल उसकी पैकिंग पर छपी सूचनाओं ने दिमाग हिला दिया। लगा, कम्पनी वाले सामान बढ़िया दें न दें प्रवचन बहुत अच्छा करते हैं । सबसे पहले छापा, 'नया पैक' इसका मतलब कि कम्पनी ने ग्राहकों को पटाने के लिए पैक की डिजाइनिंग दोबारा करवाई है। उसके नीचे बड़े अक्षरों में लिखा 'प्रकृति की गोद', उसके नीचे लिखा, 'हम गुणवत्तापूर्ण बनाते हैं'। चार भाषाओँ में लिखा, 'देसी शक्कर', 'देसी शक्कर' 'देसी शक्कर'

'देसी शक्कर'। सबसे बड़े आकार में अंग्रेज़ी में लिखा जिसे हिंदी मंथ में पढ़कर समझ में आया कि अंग्रेज़ी कितनी प्रसिद्ध और स्वीकृत है। एक मुहर जैसी बनाकर छापा, 'सौ प्रतिशत नेचुरल प्रोडक्ट, ओरिजिनल'।

आजकल अधिकांश चीज़ों में, नयापन, मौलिकता, शुद्धता, पारम्परिकता, प्राकृतिकता और गाय का दूध और शुद्ध देसी घी प्रवेश कर गया है। इस पैकेट पर भी कुछ ऐसी सूचनाएं छपी हैं जिनसे देसी गाय के शुद्ध घी की स्वास्थ्यवर्धक सुगंध आ रही थी। लिखा था, बिना किसी हानिकारक रासायनिक के, परम्परागत तरीके से तैयार, प्राकृतिक तत्वों और गाय के दूध से सफाई कर, गाय का देशी घी डाल कर स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाई गई है। गन्ने के सुन्दर स्कैच के नीचे लिखा है, 'ताज़ा और बेहतरीन गन्नों से बनाई गई'। वह बात दीगर है कि खाने की चीज़ों में घटिया से बढ़िया किस्म के रंग भी शामिल किए जा रहे हैं और चीज़ों को खाने लायक समय तक बचाए रखने के लिए प्रिजर्वेटिव्स, जिन्हें हिंदी में संरक्षक कहते हैं, प्रयोग किए जा रहे हैं। यह तमाम सूचनाएं पैक के एक तरफ है।

दूसरी तरफ छपी सूचनाओं से समझ आता है कि एक किलो शक्कर की कीमत में दो किलो से ज्यादा चीनी आ सकती है। दिलचस्प यह है कि पैक पर देसी शक्कर के स्वास्थ्य लाभ भी लिखे हैं। हेमोग्लोबिन बढ़ाएगी, अर्थराइटस रोकेगी, पाचन सिस्टम को बेहतर बनाएगी, शरीर के हर हिस्से को नरिशमेंट देगी, ब्लड प्रेशर ठीक रखेगी। इस बारे नहीं लिखा कि प्रचार के बाद स्वाद में फंसे ग्राहक ने ज्यादा देसी शक्कर ज़्यादा खा ली तो शरीर का क्या होगा। ग्राहक शक्कर खाते हुए सूचनाओं की सचाई का मज़ा ले सकता है लेकिन कहीं कुछ तो कड़वा भी होगा। यहीं मेरे दिमाग ने कहा, शक कर।

राशिफल

अश्विन माह, कृष्ण पक्ष द्वितिया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रु थोड़े एक्टिव रहेंगे और नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शत्रु हैं तो शत्रुता करेंगे लेकिन कर नहीं पाएंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
अति भावुकता में कोई भी निर्णय लेंगे तो नुकसान होगा। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
घरेलू चीजों को थोड़ा शांत होकर निपटाएं। नुकसान हो सकता है। कलहकारी सृष्टि का सृजन होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी। व्यापारिक ऊर्जा थोड़ी कम रहेगी। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। थोड़ा लेन-देन से भी बचें। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
घबराहट, बेचैनी, मानसिक परेशानी व शारीरिक परेशानी बनी रहेगी, लेकिन अस्थाई है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पार्टनरशिप में दिक्कत हो सकती है। सिरदर्द व नेत्रपीड़ा हो सकता है, अज्ञात भय सताएगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
समाचार के माध्यम से मन को परेशान करने वाले समाचार की प्राप्ति हो सकती है। कोई नुकसान संभव नहीं है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
यात्रा बहुत अच्छी नहीं दिख रही है। धर्म-कर्म में अतिवादी न बनें। भाग्य पर भरोसा करके कोई काम नहीं कर सकते हैं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भाग्य पर भरोसा करके कोई कार्य मत करिएगा। अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी में कोई रिस्क न लें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नुकसान संभव है, चाहे वो शारीरिक हो, मानसिक हो या आर्थिक हो। कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं।

विधायक तेजपाल सिंह नागर ने किया जनता से संवाद

दादरी (चेतना मंच)। दादरी विधानसभा में विकास कार्यों की गंगा लगातार प्रवाहित हो रही है। क्षेत्रीय विधायक तेजपाल सिंह नागर के निरंतर प्रयास और दूरदर्शी नेतृत्व के चलते कई ऐसे काम पूरे हो रहे हैं, जो वर्षों तक सिर्फ कागजों तक सीमित थे।

इस कड़ी में जारचा-खोगड़ा मार्ग के बीच राजकीय डिग्री कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू कराया गया है। यह कदम विशेषकर विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्षों पुरानी इस मांग को पूरा करते हुए विधायक ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दादरी में शिक्षा का नया युग शुरू हो चुका है। अब गाँव-गाँव के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी।

विधायक तेजपाल सिंह नागर ने जनता से संवाद के दौरान केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए ऐतिहासिक त्रस्ज्ञ सुधार पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह सुधार न केवल व्यापारियों और उद्यमियों को लाभ देगा, बल्कि आम जनजीवन में भी सीधे असर डालेगा। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी, जिससे हर वर्ग इसका लाभ उठा सकेगा।

विधायक ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार जनता के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए लगातार प्रयासरत है। त्रस्ज्ञ सुधार इसका जीवंत उदाहरण है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा।

जनता के बीच हुए इस संवाद में विधायक ने आश्वासन दिया कि दादरी विधानसभा में विकास की रफ्तार कभी धीमी नहीं होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कें, बिजली-पानी की व्यवस्था और युवाओं के लिए रोजगार ङ्क हर क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से काम चल रहा है और भविष्य में भी जारी रहेगा।

विधायक के प्रयासों और कार्यों को देखकर जनता ने उन्हें सराहा और भरोसा जताया कि दादरी विधानसभा का विकास आने वाले वर्षों में प्रदेश और देश के लिए मिसाल बनेगा।

धूमधाम से मनाई गयी श्री महाराजा अग्रसेन जयंती

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित अग्रेसन जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित माता की चौकी का भव्य कार्यक्रम स्वर्ण नगरी ग्रेटर नोएडा स्थित भवन में बड़े ही धूम धाम से मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराज अग्रेसन की मूर्ति पर सदस्यों द्वारा माल्यार्पण व उनकी आरती कर की गई। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस पर माता की चौकी में राजेश एंड पार्टी के माध्यम से दिल्ली से आए हैप्पी वैष्णव व पूनम साई द्वारा बड़े ही सुंदर सुंदर भजन प्रस्तुत किए गए जिसका सभी सदस्यों ने आनंद उठाया।

कार्यक्रम के उपरांत चौकी में आए हुए सभी श्रद्धालुओं के लिए व्रत व अन्न के भोजन की व्यवस्था भी रखी गई ।

कार्यक्रम की व्यवस्था में अध्यक्ष सौरभ बंसल , संरक्षक मनोज गर्ग , संरक्षक ओमप्रकाश अग्रवाल , नवीन जिंदल, अरुण गुप्ता , मुकुल गोयल , अमित गोयल , राजेश गुप्ता , गिरीश जिंदल , कपिल गुप्ता, विजय अग्रवाल, अंकुर गर्ग, रविंद गर्ग, पवन गोयल, पंकज अग्रवाल, पुष्पेंद्र गोयल, ऋषि गोयल, नितिन बंसल, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

रामलीला मैदान, साइट-4

रंगारंग कार्यक्रम से होगा विजय महोत्सव कार्यक्रम का आगाज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रामलीला मैदान, साइट-4 शहर में हर साल की तरह इस वर्ष भी विजय महोत्सव 2025 का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा। आज रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में इस महोत्सव की रूपरेखा और कार्यक्रम की जानकारी साझा की गई।

कमेटी के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह ने बताया कि गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी महोत्सव का आगाज 23 सितम्बर को भक्ति और देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम से होगा। इस कार्यक्रम में शहर और देहात क्षेत्र के स्कूलों एवं अकेडमी के बच्चों द्वारा सुंदर प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। यह महोत्सव विशेष रूप से क्षेत्र के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया जाता है।

महासचिव विजेन्द्र सिंह आर्य ने बताया कि 24 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन रामलीला मंचन में दर्शकों को एक से बढ़कर एक नाट्य दृश्यों की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के शुभ अवसर पर भारतीय सेना के पराक्रम की गाथा 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित धमाकेदार प्रस्तुति दी जाएगी।

कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया कि विजय दशमी 2 अक्टूबर को रामलीला मंचन में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन होगा, जिसके बाद रंगीन आतिशबाज़ी का मनोरम दृश्य देखने को मिलेगा।

संयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने बताया कि महोत्सव में सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त सिक्योरिटी गार्ड और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जा रही है। रामलीला मंचन में साकेत कला मंच के 65 कलाकार भाग लेंगे।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि इस वर्ष विजय महोत्सव के दौरान रामलीला मंचन के साथ-साथ विशाल मेला भी लगाया जाएगा। मेले में खाने-पीने की विभिन्न दुकानें, जयंती कैटर्स और अशोका चांट द्वारा दिल्ली 6 के नाम से विशेष स्टॉल, मनोरंजन के लिए झूले, नाव, सर्कस और खरीददारी के अनेक स्टॉल लगाए जाएंगे।

इस अवसर पर अध्यक्ष मंजीत सिंह, महासचिव विजेन्द्र आर्य, कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग, संयुक्त महासचिव सौरभ बंसल, मीडिया प्रभारी विनोद कसाना सहित कमेटी के अन्य सदस्य कुलदीप शर्मा, मुकेश शर्मा, के.के. शर्मा, हरेंद्र भाटी, श्यामवीर भाटी, अमित गोयल, अरुण गुप्ता, मुकुल गोयल, ग्रीस जिंदल, अनुज उपाध्याय, सुनील प्रधान, सुभास चंदेल, मनोज यादव, अंकुर गर्ग, अतुल जैन, विशाल जैन आदि उपस्थित रहे।

शानदार गायकी से दर्शकों का मन मोहा

नोएडा (चेतना मंच)। नवरत्न फाउंडेशन्स का अनदेखे व अनसुने गायकों को निशुल्क मंच प्रदान कर समाज में मुखरित करने के लिए किया जाने वाला सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम 'जो आए वो गाए' की एक बार फिर जोशपूर्ण प्रदर्शन के साथ 'सीजन-4' के पहले भाग की 21 को नोएडा के क्लब-27 में हुई।

नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि इस कार्यक्रम में नोएडा, गाजियाबाद, गुरूग्राम, फरीदाबाद व दिल्ली से तकरीबन 45 लोगों के गाने के लिए आवेदन के साथ आए, 31 गायकों को शिरकत करने का अवसर प्राप्त हुआ। सभी गायकों ने अपने दमदार गायकी और शानदार गीतों से दर्शकों समेत गुरूओं का मन मोह लिया।

इस एपिसोड के 31 प्रतिभागियों में से क्वार्टर फाइनल की दावेदारी के लिए टॉप-5 विजेताओं की घोषणा भी कर दी गई। जिनमें अंकों के आधार पर राजेश पृथी, अमित वाष्णेय, अविनाश दवे, मनीष गुजराती एवं सुश्री वंदना कुमारी विजेता रहे।

इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों का मुल्यांकन गुरू श्रीमति भावना अवस्थी, पंकज माथुर व पुरूषोत्तम भट्ट ने किया जिसकी डिजीटल इंट्री व रिजल्ट कंपाइल श्रीमति अंशुमाली सिन्हा के संयोजन में किया गया।

उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में बनारस घराने की दो विदुषी भावना मिश्रा (कत्थक) व अपर्णा मिश्रा (गायन) रहीं जो महान तबला वादक स्व. पं.सोहनलाल मिश्रा की पुत्रवघु थीं व पं. किशन महाराज और शास्त्रीय धुरंधर गायक पं. छन्नूलाल मिश्र की पौत्री थीं।

इस मौके पर श्रीमति रेखा पाठक, कर्नल अमिताभ अमित, कृष्ण मोहन, गजानन माली, शेखर धर, नीरज भटनागर, संजय सिन्हा, अजय मिश्रा समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम की अध्यक्षता में संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक एक्सपो मार्ट सभागार में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की प्रतिष्ठा से जुड़ा है, इसलिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध और समन्वित तरीके से निर्वहन करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्यक्रम को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करना सबकी प्राथमिकता है। बैठक में प्रचार-प्रसार, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, फूड सेफ्टी, विद्युत एवं अग्निशमन समेत सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने ड्यूटी रोस्टर के अनुसार कार्य सुनिश्चित करें।

उन्होंने वीवीआईपी मूवमेंट, एक्जीबिटर्स, ओवरसीज बायर्स, डोमेस्टिक बायर्स, जनरल विजिटर्स और आम जनता की अधिकतम भागीदारी को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक प्लान, रूट प्लान, होटल, शटल बसें, हैलीपैड, साइनेज, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम और पार्किंग की व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। खराब वाहनों को हटाने की व्यवस्था तथा पार्किंग स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों और नेटवर्क सुविधा को सुचारु रूप से उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया। निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत दुबे, डीसीपी साद मियां खान, डीसीपी ट्रैफिक डॉ. प्रवीन रंजन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी भू-अ- बच्चू सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया, एडीसीपी ट्रैफिक मनीषा सिंह, ओएसडी यमुना प्राधिकरण शैलेंद्र कुमार भाटिया, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चन्द, जिला अभिहित अधिकारी सर्वेश मिश्रा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार, विद्युत विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

आजम खां सीतापुर ...

साथ रामपुर से आए आजम खां के समर्थक जुटने लगे। दिन चढ़ने के साथ जिला कारागार के बाहर कार्यकर्ताओ की भीड बढ़ी तो एएसपी उत्तरी आलोक सिंह के साथ शहर कोतवाली, रामकोट, खैराबाद, बिसवां, सकरन व अन्य थानों की फोर्स बुलाई गई।

इसी बीच सुबह करीब सवा सात बजे आजम खां के बेटे अदीब खां जिला कारागार पहुंचे। करीब 15 मिनट रुकने के बाद वह जेल से बाहर निकले। उन्होंने कुछ भी बोलने से इंकार किया। वह सपा के पूर्व विधायक अनूप गुप्ता के आवास पर चले गए।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

चार दोस्त व कैंटर...

रात्रि में पंत चौराहे पर सभी ने केक काटा। रात करीब एक बजे फैज अपने घर चला गया। बाकी पांचों दोस्त देव शर्मा, मयंक ठाकुर, हर्षित माहेश्वरी, अतुल यादव और सुमित वहीं रुककर पार्टी करते रहे। सुबह के समय सभी लोग ड्राइव करने अलीगढ़ की ओर निकले।

उत्तर प्रदेश के 127....

राजनैतिक दल को इस मामले में कुछ नहीं कहना है। ऐसे दल के संबंध में रिपोर्ट भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दी जायेगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस इन सभी राजनैतिक दलों के पंजीकृत पते पर रजिस्टर्ड डाक से भेज दिया गया है। इन सभी राजनैतिक दलों के नाम एवं पते सहित सूची भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

एक साल बाद...

की धमकी देकर फरार हो गए। इस दौरान आरोपी शेखर अपनी मोटरसाइकिल को मौके पर छोड़कर भाग गया। शेखर ने अपने मकान की छत पर चढ़कर तमंचे से फायरिंग की जिसकी उन्होंने वीडियो बना ली।

उन्होंने डायल 112 पर कॉल की मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंची यहां गौरव के सिर पर आठ टांके लगाए गए। परमाल का आरोप है कि इसके बाद उनके भाई जगमाल व अक्षय घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने घंघोला चौकी गए जहां पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और उल्टा उनके भाई को जेल भेज दिया। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद थाना कासना पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए। न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मार्केट से दो लोगों...

वही रोजा जलालपुर में रहने वाले गोविंद सिंह ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 14 सितंबर की रात्रि को जलालपुर में लगने वाली संडे मार्केट में समान खरीदारी करने गए थे। इस दौरान किसी व्यक्ति ने उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया उन्होंने अपने मोबाइल फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मोबाइल फोन चोरी का मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

अवैध हथियार के...

अंजाम देने के लिए अपने पास तमंचा रखता है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

GST के बाद TV- AC व...

पास सेल की भी घोषणा की है। जीएसटी कट के बाद बड़ी कारों की तुलना में छोटी कारों पर खरीदारी ज्यादा बढ़ गई है, जिनकी कीमतों में जीएसटी 2.0 में सबसे ज्यादा कटौती की गई. जुलाई 2017 में लागू होने के बाद से इनडायरेक्ट टैक्स व्यवस्था में यह पहला बड़ा बदलाव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को अपने स्पीच में जीएसटी में बदलाव को 'दिवाली का तोहफा' बताया था। रविवार को उन्होंने इसे 'बचत उत्सव' नाम दिया।

अंतरिक्ष में विदेशी उपग्रह की संदिग्ध हरकत के बाद भारत सतर्क

> 50 'बॉडीगार्ड सैटेलाइट' भेजने की तैयारी

"अंतरिक्ष सबसे ऊंचा और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। हमें इसे अभी सुरक्षित करना होगा, वरना हम भविष्य में जानकारी के बिना रह जाएंगे।

आशुतोष दीक्षित
एयर मार्शल

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भारत अब अंतरिक्ष में मौजूद अपने उपग्रहों को बाहरी खतरों से बचाने के लिए एक नई योजना पर काम कर रहा है। इस योजना का मकसद उन संभावित हमलों को रोकना है, जो दुश्मन देशों के उपग्रहों से आ सकते हैं। यह कदम इसलिए तेजी से उठाया जा रहा है, क्योंकि हाल ही में एक विदेशी उपग्रह भारत के एक उपग्रह के बेहद करीब आ गया था।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ऐसे 'बॉडीगार्ड' उपग्रहों को बनाना चाहती है, जो भारतीय उपग्रहों के आसपास रहकर उन्हें खतरे से बचा सकें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को पहचान सकें। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि 2024 के मध्य में एक पड़ोसी देश का उपग्रह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक उपग्रह के महज एक किलोमीटर पास से गुजरा। यह इसरो का वो उपग्रह था, जो धरती पर निगरानी और मानचित्रण जैसे काम कर रहा था, जिनका उपयोग रक्षा क्षेत्र में भी होता है।

उपग्रहों की टक्कर नहीं हुई लेकिन जानकारों का मानना है कि यह इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक तरह का शक्ति प्रदर्शन था। यानी दूसरा देश अंतरिक्ष में अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहता था। इस घटना ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अंतरिमक्ष मौजूद खतरे को उजागर कर दिया। इसरो और अंतरिक्ष विभाग ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे 50 निगरानी उपग्रह

उपग्रह सुरक्षा परियोजना के तहत भारत अंतरिक्ष में अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना चाहता है। इसके तहत करीब 27 हजार करोड़ रुपये की लागत से 50 निगरानी उपग्रह भेजे जाएंगे। पहला उपग्रह अगले साल लॉन्च होने की संभावना है। भारत का पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के साथ लंबे समय से सीमा को लेकर विवाद है और इन देशों की अंतरिक्ष क्षमताएं अलग-अलग स्तर की हैं। पाकिस्तान के पास केवल आठ उपग्रह हैं, वहीं भारत के पास सौ से ज्यादा उपग्रह हैं। चीन इस मामले में सबसे आगे है, उसके पास 930 से भी ज्यादा उपग्रह हैं।

अंतरिक्ष में गतिविधियां बढ़ा रहा चीन

भारत और अमेरिका दोनों के अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अंतरिक्ष में खरतरनाक तरीके से अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। जून में एक सेमिनार में एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भी कहा था कि चीन की अंतरिक्ष गतिविधियां न केवल तेज हो रही हैं, बल्कि बेहद उन्नत भी हैं।

स्टार्टअप्स के साथ मिलकर हो रहा काम

भारत सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर ऐसे समाधान तलाश रही है, जो खतरों को समय रहते पहचान सकें। एक विचार यह भी है कि लाइट डिटेक्शन एंड रेजिंग तकनीक वाले उपग्रह छोड़े जाएं, जो किसी भी संबावित खतरे की पहचान जल्दी कर सकें, ताकि जमीन पर बैठे तकनीशियन समय रहते उस उपग्रह को दूसरी दिशा में भेज सकें। इसरो के पूर्व अधिकारी सुधीर कुमार ने कहा कि इसके लिए जमीन पर रडार और दूरबीनों के नेटवर्क की भी जरूरत होगी। उन्होंने माना कि अभी भारत के पास ऐसी तकनीक नहीं है, जो चौबीस घंटे अंतरिक्ष में नजर रख सके, लेकिन कुछ स्टार्टअप्स इस पर काम कर रहे हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष में इसरो की भूमिका

इसरो ने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीमित सैन्य संघर्ष के दौरान बड़ी भूमिका निभाई थी। इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने नौ सितंबर को बताया कि उस समय 400 से अधिक वैज्ञानिक दिन-रात काम कर रहे थे, ताकि धरती पर निगरानी रखने वाले और संचार से जुड़े उपग्रह पूरी क्षमता से काम कर सकें।

ड्रग्स का डर दिखाकर पूर्व बैंक अधिकारी को किया डिजिटल अरेस्ट

दिल्ली में 23 करोड़ की ठगी

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के हौजखास इलाके में साइबर ठगों ने पूर्व बैंक अधिकारी से 23 करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पहले पुलिस अधिकारी, बाद में प्रवर्तन निदेशालय व सीबीआई अधिकारी बनकर बुजुर्ग को मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त बताकर डरा दिया। बुजुर्ग की शिकायत पर इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) टीम ने साइबर ठगों के बैंक खातों में ठगी के 12.11 करोड़ रुपये फ्रीज करवा दिए।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित नरेश मल्होत्रा (73) परिवार के साथ हौजखास इलाके में रहते हैं। वह सरकारी बैंक से रिटायर हैं। पीड़ित ने बताया कि चार अगस्त को उनके पास एक शख्स का कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर कहा कि वह ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। उनके नाम से विदेश भेजा गया पार्सल पकड़ा गया है, जिसमे ड्रग्स मिले हैं। आरोपियों ने पीड़ित को गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनके फ्लैट में कैद कर लिया। बदमाशों का कहना था कि जब तक वह नहीं कहेंगे तक वह न तो बाहर जाएंगे और न किसी को कॉल करेंगे। इसके बाद आरोपियों ने डराकर पीड़ित के खाते से रकम ट्रांसफर करवानी शुरू कर दी।

हैंडलूम कारोबारी के घर चोरी, 18 लाख रुपये नकदी और गहने ले गए चोर

पुलिस को दी गई शिकायत

पानीपत, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पानीपत में चोरों ने सेक्टर-12 में हैंडलूम कारोबारी की कोठी में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से करीब 18 लाख रुपये की नकदी और 50 तोले से ज्यादा सोने के गहने चोरी कर ले गए। पुलिस को पीड़ित परिवार ने मामले की सूचना दी। चोरी की जानकारी मिलने के बाद थाना चन्दनीबाग और सीआईए की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

सेक्टर-12 में हैंडलूम कारोबारी ओमप्रकाश कटारिया की कोठी है। बताया जा रहा है कि रविवार रात को चोर छत के रास्ते मकान में घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब परिजनों ने लॉकर चेक किया तो करीब 18 लाख रुपये कैश और करीब 50 तोला सोने के गहने गायब मिले। चोरी की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिमाचल के मंत्री ने दूसरी शादी रचाई

विक्रमादित्य ने चंडीगढ़ में पंजाब की डॉक्टर संग लावां फेरे लिए, करीबी रिश्तेदार ही बुलाए

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह और पंजाब की डॉ. अमरीन कौर सोमवार को शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित गुरुद्वारे में लावां फेरे लिए। सुबह करीब 11 बजे दोनों परिवार गुरुद्वारे पहुंचे। विक्रमादित्य ने शेरवानी, जबकि अमरीन ने लहंगा पहन रखा था।

गुरुद्वारे में शादी की रस्में बेहद सादगी से पूरी हुईं। इसमें दोनों तरफ से सिर्फ करीबी रिश्तेदार और दोस्त शामिल हुए। विक्रमादित्य के साथ उनकी मां प्रतिभा सिंह, बहन-बहनोई और कुछ दोस्त मौजूद रहे। यहां से वे ललित होटल गए। जहां मंत्री लंच करने के बाद पत्नी अमरीन के साथ शिमला लौट गए। शिमला के होली लॉज में वधू प्रवेश का कार्यक्रम होगा।

अमरीन कौर, सरदार जोतिंद्र सिंह सेखों और ओपिंद्र कौर की बेटी हैं। वह पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में साइकोलॉजी की असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। राजनीति में आने से पहले विक्रमादित्य का चंडीगढ़ आना-जाना लगा रहता था। इसी दौरान उनकी अमरीन से दोस्ती हुई।

यह दोस्ती करीब 8-9 साल पुरानी बताई जाती है, जो अब शादी में बदल गई है। मंत्री विक्रमादित्य सिंह की यह दूसरी शादी है। पहली पत्नी से तलाक हो चुका है।

डल झील के पास संदिग्ध वस्तु मिलने से मचा हड़कंप

सुरक्षाबलों ने किया विस्फोट

श्रीनगर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीनगर की प्रसिद्ध डल झील के पास सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब वहां एक संदिग्ध वस्तु देखी गई। मौके पर पहुंचे सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत इलाके को घेर लिया और किसी भी संभावित खतरे को टालने के लिए उस वस्तु पर नियंत्रित विस्फोट किया।

सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह वस्तु बम थी या कोई और संदिग्ध उपकरण। पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर मौजूद हैं और जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट पूरी तरह से सुरक्षित तरीके से किया गया और किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है।

मराठा आरक्षण मामले की सुनवाई से तीन जजों की बेंच ने खुद को अलग किया

अब चीफ जस्टिस सुनेंगे मामला

मुंबई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र सरकार के हालिया फैसले पर दायर याचिकाओं की सुनवाई से बॉम्बे हाईकोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने खुद को अलग कर लिया। मामला उन आदेशों से जुड़ा है जिनमें मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र जारी कर उन्हें ओबीसी श्रेणी में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इस फैसले को ओबीसी संगठनों ने मनमाना और असंवैधानिक बताते हुए चुनौती दी है।

कुल पांच याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें कुनबी सेना, महाराष्ट्र माली समाज महासंघ, अहीर सुवर्णकार समाज संस्था, सदानंद मंडलिक और महाराष्ट्र नाभिक महामंडल शामिल हैं। उनका कहना है कि सरकार का फैसला तीन जातियों कुनबी, कुनबी मराठा और मराठा कुनबी के प्रमाणपत्र जारी करने के मानकों को बदल देता है। यह न केवल अस्पष्ट है बल्कि इससे अराजक स्थिति पैदा होगी।

जस्टिस संदीप पाटिल का बयान

याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान जस्टिस संदीप पाटिल ने कहा कि वे इन पर सुनवाई नहीं कर सकते। इसके बाद जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और संदीप पाटिल की बेंच ने मामले से खुद को अलग कर लिया। अब यह याचिकाएं मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंकल की बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए पेश की जाएंगी।

जारंगे की भूमिका और सरकार का कदम

सरकार का यह फैसला मराठा आरक्षण आंदोलनकारी मनोज जारंगे के आंदोलन के बाद लिया गया। जारंगे ने 29 अगस्त को मुंबई के आजाद मैदान में पांच दिन तक भूख हड़ताल की थी। इस दौरान उनके समर्थकों ने शहर के कई इलाकों में प्रदर्शन किया, जिससे बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई और कहा कि मुंबई ठप हो गई है।

सरकार का जीआर और समिति गठन

दो सितंबर को राज्य सरकार ने हैदराबाद गजेटियर पर आधारित एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया और समिति बनाने का ऐलान किया। यह समिति उन मराठा परिवारों की पहचान करेगी जो ऐतिहासिक रूप से कुनबी दर्ज हैं। ऐसे लोगों को कुनबी प्रमाणपत्र मिलेगा और वे ओबीसी कोटे का लाभ ले सकेंगे।

ओबीसी समाज की नाराजगी

सरकार के इस कदम से ओबीसी समाज में बेचैनी है। सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग द्वारा जारी किए गए जीआर के बाद ओबीसी संगठनों ने चिंता जताई है कि इससे उनकी आरक्षण व्यवस्था प्रभावित होगी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह परिपत्र तरीके से मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे में शामिल करने की कोशिश है, जो कानूनन गलत है। दरअसल, ओबीसी समुदाय का मानना है इस फैसले से उनके कोटे का आरक्षण बंट जाएगा.

दुष्कर्म मामला : 'डीएनए, सीसीटीवी फुटेज से हुई मुख्य आरोपी की भूमिका की पुष्टि'

कोलकाता पुलिस का आरोपपत्र में दावा

कोलकाता, 23 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस के जांच अधिकारियों ने अपने आरोपपत्र में दावा किया है कि दक्षिण कोलकाता लॉ कॉलेज की एक छात्र के साथ हुए कथित दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी मनोजित 'मंगो' की भूमिका की पुष्टि डीएनए जांच से हुई है।

पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पीड़िता के कपड़ों से लिए गए नमूनों की डीएनए जांच में पाया गया कि वे आरोपी के डीएनए से मेल खाते हैं। इसके लिए पीड़िता और आरोपी दोनोंके खून के नमूने (ब्लड सैंपल) लिए गए थे। यह आरोपपत्र अलीपुर के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में दाखिल किया गया है। इसमें मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा के साथ तीन अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। मनोजित मिश्रा कॉलेज का पूर्व छात्र है। एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया, डीएनए जांच में यह भी सामने आया है कि घटना के समय पीड़िता और आरोपी दोनों कॉलेज के गार्ड रूम में मौजूद थे। यह रिपोर्ट इस मामले में एक अहम सबूत मानी जा रही है। आरोपपत्र में यह भी बताया गया है कि कॉलेज परिसर और आस-पास की दो दुकानों से मिले सीसीटीवी फुटेज ने भी अपराध की पुष्टि की है।

अधिकारी ने कहा, फुटेज में यह भी दिख रहा है कि घटना कॉलेज के गार्ड रूम के अंदर हुई। दो अन्य आरोपी प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद गार्ड रूम के बाहर खड़े थे। साथ ही सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका भी साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के मोबाइल फोन से मिले वॉइस सैंपल की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जैसे ही रिपोर्ट आ जाएगी, हम अदालत में एक पूरक आरोपपत्र दाखिल करेंगे। यह मामला 25 जून का है, जब कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि कॉलेज के एक पूर्व छात्र और दो अन्य सीनियर छात्रों ने मिलकर उसके साथ कॉलेज परिसर में दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही सुरक्षा में लापरवाही बरतने के आरोप में कॉलेज के सिक्योरिटी गार्ड को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुणे एयरपोर्ट पर यात्री से रिवॉल्वर बरामद

मुंबई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान एक 63 वर्षीय यात्री के बैग से रिवॉल्वर और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया। घटना 19 सितंबर को हुई। चंद्रकांत प्रभाकर बागल पुणे से वाराणसी उत्तर प्रदेश जाने वाली फ्लाइट में सवार होने वाले थे।

तभी सुरक्षा जांच में रिवॉल्वर और कारतूस पकड़ में आ गए। सुरक्षा नियमों के अनुसार, ऐसी आग्नेयास्त्र और कारतूस लेकर यात्रा करने पर इसकी रिपोर्ट करना जरूरी है। पुलिस के मुताबिक, यात्री के पास महाराष्ट्र में हथियार रखने का लाइसेंस था, लेकिन वह इसे राज्य के बाहर ले जा रहे थे। विमानतल पुलिस स्टेशन में बागल के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

मैसूर दशहरा : विवाद के बावजूद कार्यक्रम में पहुंची लेखिका बानु मुश्ताक

कहा-यह सभी का त्योहार, कोई पराया नहीं

मैसूर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानु मुश्ताक ने सोमवार को मैसूर में दशहरे का शुभारंभ किया और कहा कि यह त्योहार कर्नाटक की मिली-जुली संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मैसूर की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी नारी की शक्ति और उसकी मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतीक हैं। नारी केवल कोमलता और मातृत्व स्नेह की प्रतीक नहीं है, बल्कि अन्याय से लड़ने वाली ताकत की भी पहचान है। प्रसिद्ध 11 दिवसीय दशहरा सोमवार को पारंपरिक तरीके से हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। बानु मुश्ताक ने इसका उद्घाटन किया। हालांकि, उद्घाटन से पहले कुछ वर्ग के लोगों ने बानु मुश्ताक को आमंत्रित करने के सरकार के फैसले पर आपत्ति जताई थी, जिससे यह एक विवाद का विषय बन गया था। मुश्ताक ने शुभ 'वृश्चिक लग्न' के दौरान चामुंडेश्वरी मंदिर में देवी की मूर्ति पर फूल चढ़ाकर वैदिक मंत्रों के बीच दशहरे का उद्घाटन किया। इससे पहले वह मुख्यमंत्री के साथ मंदिर पहुंचीं और पूजा की। बानु मुश्ताक ने अपने संबोधन में कहा, हमारी संस्कृति

हमारी जड़ है, सद्भावना हमारी ताकत है और अर्थव्यवस्था हमारे पंख हैं। हमें एक ऐसा समाज बनाना है, जो मानवता और प्रेम से भरा हो और जिसमें शिक्षा, अर्थव्यवस्था और उद्योग भी मजबूत हो। उसमें सभी को बराबरी का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका हिंदू धर्म के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है।

चमोली आपदा बहुओं की हिम्मत

ससुर को बचाने लौटी ममता मलबे में दबी, दूसरी ने सास को मौत के मुंह से खींच निकाला

गोपेश्वर (चमोली), 23 सितंबर (एजेंसियां)। चमोली में बीते दिनों बादल फटने से नंदानगर के तीन क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। बादल बिंसर पहाड़ी की चोटी के दोनों तरफ फटा जिससे पानी के सैलाब की तीन धाराएं बन गईं और सैंती लगा कुंतरी, फाली लगा कुंतरी और धुर्मा को भारी नुकसान पहुंचा है। ये भयावह मंजर यहां लोगो शायद कभी न भूल पाए। धुर्मा गांव में लापता ममता देवी ससुर को बचाने गई थी, लेकिन खुद आपदा की शिकार हो गई। वहीं दूसरी बहू ममता ने सास को तो बचा लिया, लेकिन उनकी भी जान पर बन आई थी, उसने पंखे से लटककर खुद को बचाया। दोनों अभी लापता हैं, जिनकी खोजबीन लगातार जारी है। धुर्मा गांव में बृहस्पतिवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे जब पानी और मलबा आने लगा तो लोगों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लोग घरों को छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने लगे। यहां गुमान सिंह का परिवार भी रहता है। उनके बड़े भाई की बहू ममता पत्नी विक्रम सिंह

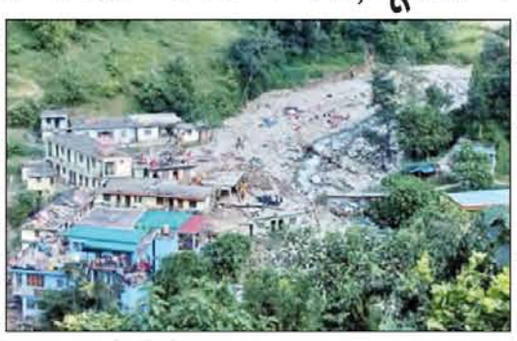

बच्चों को लेकर सुरक्षित स्थान पर जा रही थी, तभी उसे पता चला कि ससुर गुमान सिंह अंदर हैं। वह उन्हें लेने के लिए चली गई, गांव के विजेंद्र सिंह, महावीर सिंह, राजेंद्र सिंह व अन्य लोग बच्चों को सुरक्षित जगह पर लेकर चले गए।

मलबा आ गया और पूरा मकान मलबे में दब गया

ममता देवी अंदर गई तभी भारी मलबा आ गया और पूरा मकान मलबे में दब गया। जहां ममता और ससुर गुमान सिंह दब गए। गुमान सिंह की बड़ी बहू का नाम भी ममता है। जब मकान में मलबा घुसने लगा तो वह सास को निकालने के लिए अंदर गई। सास को तो बाहर निकाल लिया लेकिन तभी भारी मलबा अंदर आ गया। वह दलदल में फंस गई। जिस पर वह पंखे को पकड़कर लटक गई। काफी देर तक लटके रहने के बाद जब पानी कुछ कम हुआ तो वह बाहर निकली।

बादल फटने से नंदानगर के तीन क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। बताया जा रहा है कि बादल बिंसर पहाड़ी की चोटी के दोनों तरफ फटा जिससे पानी के सैलाब की तीन धाराएं बन गईं और सैंती लगा कुंतरी, फाली लगा कुंतरी और धुर्मा को भारी नुकसान पहुंचा है।

मुंबई में महिला अधिकारी पर दुर्व्यवहार का आरोप

पुणे एयरपोर्ट पर यात्री से रिवॉल्वर बरामद

मुंबई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण मुंबई के गिरगांव स्थित वीपी रोड थाने में एक महिला सब-इंस्पेक्टर पर लोगों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। 18 सितंबर को शिकायत दर्ज कराने आए एक समूह के साथ महिला अधिकारी की बहस हो गई। आरोप है कि बहस के दौरान अधिकारी ने अपना नेमप्लेट यूनिफॉर्म से निकालकर फेंक दिया।

इस पूरे घटनाक्रम को मौजूद लोगों में से एक ने मोबाइल से रिकॉर्ड किया। अधिकारियों के अनुसार, मामला सामने आने के बाद गिरगांव डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त को जांच सौंपी गई है। फिलहाल वीडियो की सत्यता की भी जांच की जा रही है।

भाप लेना शरीर की बहुत-सी तकलीफों में आराम पहुंचाता है

सांस की समस्याओं से राहत

ज़ुकाम, खांसी और सिनसाइटिस के लक्षणों से छुटकारा दिलाने में भाप अत्यंत सहायक है, क्योंकि भाप लेने से उपयुक्त नमी के साथ गर्माहट भी मिलती है। इसे स्टीम थैरेपी भी कहते हैं जिसमें गर्म पानी की भाप को इन्हेल किया जाता है। भाप लेने से नाक, गले, और छाती को भी आराम मिलता है, कई शोध में देखा गया है कि गर्म नम हवा नासिका रंध्रों, गले और फेफड़ों में बलगम को हल्का करके राहत पहुंचाती है। इससे रंध्रों में जमे हुए और सूजे हुए ब्लड वेसेल्स यानी रक्त वाहिकाओं को राहत मिलती है जिससे सांस लेने में आसानी होती है और श्वसन तंत्र भी मज़बूत होता है। इसके अलावा अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से भी आराम

मिल सकता है।

त्वचा के लिए सुरक्षा कवच

भाप लेने से चेहरे की थकान दूर होती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इसके साथ ही ये चेहरे के रोम छिद्रों को खोलने में भी मदद करता है। ये ब्लैकहेड्स से भी छुटकारा दिलाने में सहायक है क्योंकि भाप लेने से ये मुलायम हो जाते हैं जिससे इन्हें आसानी से निकाला जा सकता है। ये लंबे समय तक त्वचा को जवां बनाए रखने में सहायक है। उम्र बढ़ने के साथ ही, आपकी त्वचा पर झुर्रियां आने लगती है। पर स्टीम लेने से मृत त्वचा कोशिकाओं से छुटकारा मिलता है और त्वचा की चमक बढ़ती है। स्टीम लेने से ये गंदगी बाहर निकल जाती है जिससे पिंपल्स की समस्या भी दूर होती है। डार्क सर्कल की समस्या दूर होने के साथ ही आंखों की थकान भी मिटती है। इसके अलावा भाप लेने से शरीर के विषैले पदार्थ, जैसे कीटाणु, बैक्टीरिया और अन्य संक्रमण भी बाहर निकल सकते हैं।

तनाव और थकान से राहत

भाप लेने से तनाव कम हो सकता है। इसके साथ ही दिल की धड़कन भी सामान्य होती है, जिससे शारीरिक और मानसिक थकान से निजात पाई जा सकती है।

सावधानियों से समाधान

भाप लेते समय सावधानी बरतना भी ज़रूरी है। अगर आपको खांसी, ज़ुकाम, अस्थमा जैसे लक्षण हैं या किसी रोग का संदेह है, तो डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा है। वे आपको आपकी स्थिति के अनुसार सही उपाय बता सकते हैं।

भाप लेते समय ध्यान रखें कि आपका चेहरा बर्तन के ज़्यादा नज़दीक न हो।

पानी को अधिक गर्म न करें।

यदि आपके चेहरे के पोर्स ज़्यादा खुले हुए हैं तो भाप लेने से बचें।

भाप लेना कई प्रकार से लाभदायक है पर इसे अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से शामिल न करें। साथ ही, चिकित्सक से परामर्श लेकर ही भाप लें।

डीजे की तेज आवाज ले सकती है आपकी जान हार्ट अटैक और ब्रेन हेमरेज का खतरा, बरतें सावधानी

त्योहारों के इस सीजन में हर तरफ चहल-पहल और धूम देखी जा रही है। डीजे-लाइउडस्पीकर की आवाज चारों तरफ गूंज रही है, पर क्या आपने कभी सोचा कि बहुत तेज आवाज में बजने वाले डीजे जानलेवा भी हो सकते हैं?

बीते दिनों रांची से ऐसा ही एक मामला सामने आया जहां कथित तौर पर डीजे की तेज आवाज के कारण दो माह की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के पिता ने इसे लेकर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान पीड़ित के घर के निकट तेज आवाज में डीजे बज जा रहा था, जिससे घर के बड़े और बच्चे परेशान थे। आयोजकों से डीजे की आवाज कम करने का अनुरोध किया गया, लेकिन उन लोगों ने बात को अनसुना कर दिया गया। तेज आवाज के चलते बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक बच्ची की मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई।

अब सवाल ये है कि डीजे की तेज आवाज का हमारी सेहत पर किस तरह से असर होता है और ये किन स्थितियों में जानलेवा हो सकती है?

डीजे की तेज आवाज से मौत के मामले

ये कोई पहला मामला नहीं है, जहां डीजे की तेज आवाज जानलेवा साबित हुई है। ऐसे मामलों की भरमार है।

पिछले साल सितंबर में रायपुर में 40 वर्षीय एक व्यक्ति को तेज आवाज में बज रहे डीजे के कारण ब्रेन हेमरेज हो गया था। डॉक्टर इस असामान्य मामले को देखकर दंग रह गए थे, क्योंकि उस व्यक्ति को उच्च रक्तचाप, अन्य बीमारियों का कोई इतिहास नहीं था। तेज आवाज के कारण अचानक मरीज को चक्कर आने लगा और वह बेहोश हो गया। डॉक्टरों नें बाद में ब्रेन हेमरेज की पुष्टि की।

इसके अगले ही महीने मध्यप्रदेश में डीजे पर एक कार्यक्रम के दौरान डांस कर रहे 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई थी। डॉक्टर्स ने पाया था कि तेज आवाज ने हार्ट अटैक की स्थिति को ट्रिगर कर दिया था।

सितंबर 2023 में सांगली में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हाई डेसिबल ध्वनि के संपर्क में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी।

तेज आवाज वाले डीजे क्यों इतने खतरनाक?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, तेज आवाज वाला डीजे या बहुत हाई डेसिबल ध्वनि का संगीत केवल कानों पर असर नहीं डालता, बल्कि यह सीधे दिल की धड़कनों को भी प्रभावित करता है। हमारे शरीर में दिल की धड़कनें नर्वस सिस्टम (सिम्पैथेटिक और पैरासिम्पैथेटिक सिस्टम) से नियंत्रित होती हैं। जब तेज आवाज अचानक कानों में पड़ती है तो शरीर स्ट्रेस रिस्पॉन्स एक्टिवेट कर देता है। इसका मतलब है कि शरीर इसे एक खतरे का संकेत मानता है और एड्रेनालिन हार्मोन तेजी से रिलीज करता है।

इस कारण दिल की धड़कनें तेज हो जाती हैं, ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ सकता है वहीं लगातार ऐसी स्थिति रहने पर एरिथमिया यानी अनियमित धड़कन का खतरा बढ़ जाता है। ये सभी स्थितियां हार्ट अटैक का कारण बन सकती हैं।

85 डेसिबल से ज्यादा तेज आवाज खतरनाक

शोध बताते हैं कि 85 डेसिबल से ज्यादा तेज आवाज के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण हृदय स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ़ जाता है। डीजे का साउंड लेवल अक्सर 100-120 डेसिबल तक होता है, जो बेहद खतरनाक माना जाता है। इसका सीधा असर उन लोगों पर ज्यादा पड़ता है जिन्हें पहले से हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक का इतिहास या डायबिटीज जैसी समस्याएं हैं।

तेज आवाज की वजह से नसें सिकुड़ सकती हैं, जिससे दिल पर अचानक दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का खतरा दोगुना तक बढ़ सकता है।

फट सकती है दिमाग की नस

अध्ययनों से पता चलता है कि हाई-डेसिबल वाली आवाज दिल के साथ मस्तिष्क के लिए भी खतरनाक है। ये तनाव प्रतिक्रिया उत्पन्न करके, रक्तचाप बढ़ा देती है। इससे धमनियों के सख्त होने और उनके फटने का खतरा हो सकता है।

भारत में दर्ज 2024 के एक मामले से पता चलता है कि अत्यधिक तेज आवाज वाले डीजे के कारण एक व्यक्ति को ब्रेन में रक्तस्राव हुआ जिसे पहले कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं थी। शोध यह भी दर्शाते हैं कि तीव्र आवाज ब्रेन हेमरेज के खतरे को भी बढ़ा सकती है।

सरकारी प्रयोगशालाओं की खोज बनी आम लोगों की जीवनदायनी

.मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने की प्रशंसा

चरक का आयुर्वेद अब आम जन को नए रूप में लाभान्वित कर रहा है। हर्बल फार्मूलों से बनी सुरक्षित दवाएं प्रयोगशाला से निकलकर सीधे मरीजों तक पहुंच रही हैं। लखनऊ स्थित सीएसआईआर की तीन प्रमुख प्रयोगशालाएं एनबीआरआई, सीमैप और सीडीआरआई ने 13 महत्वपूर्ण हर्बल दवाएं विकसित की हैं। इनमें डायबिटीज की दवा बीजीआर-34, रक्त कैंसर के लिए अर्जुन की छाल से बनी पैक्लिटैक्सेल और फैटी लीवर व लीवर कैंसर के लिए पिक्रोलिव प्रमुख हैं।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने हाल में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनउ में आयोजित सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव ने कहा कि देश में सरकारी प्रयोगशालाओं के शोध अब निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा आम जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने इस मौके पर इस सहयोग को नए सिरे से रेखांकित किया। यहां पहली बार एक ही मंच पर शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और नीति-निर्माताओं ने भाग लिया है। मंत्री ने कहा कि यह 'प्रयोगशाला से जनमानस तक' की अवधारणा का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने स्टार्टअप को प्रोत्साहित किया कि वे हर्बल दवाओं को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी प्रतिस्पर्धी बनाएं। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और वैज्ञानिकों को इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कॉन्क्लेव में सबसे ज्यादा चर्चा बीजीआर-34 पर रही। इसे लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान संस्थान (एनबीआरआई) और सीमैप ने छह प्रमुख जड़ी-बूटियों दारुहरिद्रा, गिलोय, विजयसार, गुड़मार, मंजिष्ठा और मेथी से विकसित किया है। यह दवा न केवल ब्लड शुगर नियंत्रित करने में मदद करती है बल्कि लंबे समय में डायबिटीज रिवर्सल की दिशा में भी कारगर मानी जा रही है।

इस दवा को बाजार में आम लोगों तक पहुचाने वाली कंपनी के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने कहा, दुनिया अब केवल डायबिटीज कंट्रोल नहीं बल्कि डायबिटीज रिवर्सल पर जोर दे रही है। बीजीआर-34 जैसे भारतीय फार्मूले आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का मेल हैं और यही भविष्य में डायबिटीज-मुक्त समाज का आधार बन सकते हैं। इस कानक्लेव की सबसे बड़ी उपलब्धि यह दिखाना रही कि सरकारी प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीक कैसे स्टार्टअप और उद्योग जगत की मदद से बाजार तक पहुंच रही हैं।

यह आयोजन ऐसे समय में हुआ है जब दुनियाभर में प्राकृतिक और हर्बल उपचारों की मांग बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के पास इस क्षेत्र में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित फार्मूलों के जरिए विश्व बाजार में नेतृत्व करने का बड़ा अवसर है। डॉ. संचित शर्मा के शब्दों में, यह केवल दवा नहीं, बल्कि विज्ञान और परंपरा का ऐसा मॉडल है जो आने वाले वर्षों में वैश्विक हेल्थकेयर एजेंडा तय कर सकता है।₹ बता दें कि केंद्रीय सरकार की प्रयोगशालाएं एनबीआरआई और सीमैप जैसे दूसरे शोध संस्थाएं वर्तमान में औषधीय पौधों की उन्नत किस्मों पर भी शोध कर रही हैं। इससे किसानों को बेहतर उत्पादन और अधिक आय का अवसर मिलेगा। वहीं, मरीजों को सस्ती और दुष्प्रभाव रहित दवाएं मिलेंगी।

युवाओं में बढ़ती हृदय की बीमारियों से बचाव के लिए डॉक्टर ने दिए पांच जरूरी टिप्स

हृदय रोग वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती समस्या है जिसका शिकार सभी उम्र के लोग हो रहे हैं। युवा आबादी में भी ये दिक्कत बढ़ती देखी जा रही है। हालिया रिपोर्ट्स में बैठे-बैठे, जिम के दौरान हार्ट अटैक और इसके कारण मौत के कई मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय रोगों का खतरा बढ़ता जा रहा है जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

एक अध्ययन में पाया गया कि कई कारक हैं जो हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट के खतरे को बढ़ा रहे हैं। पारिवारिक इतिहास के साथ, खराब आहार, मोटापा, शारीरिक गतिविधियों की कमी, शराब का सेवन, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल इन समस्याओं के लिए आपका खतरा बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को हार्ट की समस्या रही है उन्हें और भी सावधानी बरतते रहनी जरूरी है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉ बताते हैं, हृदय को स्वस्थ रखने के लिए कम उम्र से ही प्रयास करते रहना जरूरी है। संभावित हृदय संबंधी समस्याओं का समय रहते पता लगाने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं। इस के साथ आहार और दिनचर्या को ठीक रखने वाले उपाय करके कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल में रखें। कोलेस्ट्रॉल का बढ़ा हुआ स्तर धमनियों में प्लाक के निर्माण को बढ़ावा दे सकता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा रहता है। अपने वजन को कंट्रोल बनाए रखना हृदय पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव कम करने के लिए जरूरी है।

हार्ट को स्वस्थ रखने के लिए क्या उपाय

शराब-धूम्रपान को कहें न

हृदय को स्वस्थ बनाए रखने के लिए शराब-धूम्रपान दोनों से दूरी बनाकर रखना बहुत जरूरी है। धूम्रपान धमनियों की परत को नुकसान पहुंचाने और प्लाक बनने को जोखिमों को बढ़ा सकता है। इन स्थितियों में हृदय रोगों का जोखिम काफी हद तक बढ़ा देता है। धूम्रपान की ही तरह शराब का सेवन भी नुकसानदायक है। शराब पीने से रक्तचाप बढ़ सकता है और हृदय की लय में गड़बड़ी हो सकती है, इससे

दीर्घकालिक हृदय रोगों का जोखिम काफी बढ़ जाता है।

सुनें दिल की आवाज

हृदय की किसी भी समस्या को कभी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर की आवाज सुनें। अगर आपको सीने में दर्द, सांस फूलने की दिक्कत बनी रहती है तो ये हृदय की गंभीर समस्याओं की तरफ इशारा हो सकता है जिसपर समय रहते ध्यान देना औप उपचार प्राप्त करना जरूरी है। धड़कनों का बढ़ा रहना या अत्यधिक थकान महसूस होते रहना भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

अच्छी नींद लेना जरूरी

नींद की कमी या अनिद्रा जैसे समस्याएं संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली हो सकती हैं, इससे आपके दिल की सेहत पर भी नकारात्मक असर होने का जोखिम रहता है। दिल को स्वस्थ रखने वाली दिनचर्या में नींद एक अनिवार्य हिस्सा है। रोज रात में कम से कम 6-8 घंटे की नींद जरूर लें। गुणवत्तापूर्ण नींद को प्राथमिकता देकर न सिर्फ आप कार्डियोवैस्कुलर समस्याओं से बचे रह सकते हैं साथ ही ये आपको कई अन्य बीमारियों से भी बचाती है।

तनाव कम करें

ज्यादा तनाव लेना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। लंबे समय तक बनी रहने वाली तनाव की स्थिति हृदय को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली मानी जाती है। स्ट्रेस के कारण कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर काफी बढ़ जाता है जिसे रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल दोनों के बढ़ने का खतरा रहता है।

रोज व्यायाम से फायदे

फिटनेस पर ध्यान देना, नियमित व्यायाम की आदत हार्ट को स्वस्थ रखने में मददगार है। इसके लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करें। मध्यम-तीव्रता वाले व्यायाम जैसे तेज चलना, जॉगिंग, साइकिल चलाना या तैराकी आपके हार्ट के लिए लाभकारी है। व्यायाम की आदत वजन कम रखने, कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप के स्तर नियंत्रित बनाए रखने में सबसे फायदेमंद हो सकती है।

खूनी बवासीर का उपचार बताएं

प्रश्न : वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए?

- जगदीप देसी, हैदराबाद

उत्तर : वजन क्यों कारणों से बढ़ा है - सबसे पहले यह जानना जरूरी है ।अनुवांशिक कारणों से बड़ी स्थूलता को कम करना मुश्किल है। कोई औषध सेवन से अचानक बढ़ी स्थूलता को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। एनाबालिक स्टिराइड्स भी मोटापा बढाते हैं। आरामपसंद जीवन और चर्बी वाले आहार इसमें योगदान देते हैं।

व्यक्ति विशेष क्या काम करता है उसका शरीर से कितना परिश्रम होता है- यह जानने पर उसे क्या क्या खाना चाहिए, तय किया जा सकता है। कम भोजन या संतुलित भोजन व अधिक मेहनत वाले काम करने से ही वजन में कमी आ सकती है । चीनी, मक्खन , तले पदार्थ व शराब का सेवन न करें। गाजर, मूली, सलाद कच्चे फल व हरी सब्जियां अधिक मात्रा में लेने। रोज कसरत करेंन। सुबह टहलने की आदत डालें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना बंद करें।

औषध में ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु - भोजन के आधा घंटे पहले गुनगुने पानी से लें । भोजन के बाद वृक्षाम्ला केप व ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टिकिया लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा कुमारीआसव, लोहासव व रोहितकासव प्रत्येक की 10-10 मिली लीटर दवा को दोगुनी पानी में मिलाकर सेवन किया करें। कसरत व औषध सेवन दो मंडल (80 दिन) तक लागू रखें।हर हालत में बढा हुआ वजन व शरीर की स्थूलता कम होने लगेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है डॉक्टर कहता है कि मेरी ताप तिल्ली बढ़ गई है। हमेशा पेट सख्त रहता है। खून की कमी है ।थकावट जल्दी आती है, हल्का ज्वर भी बना रहता है ।आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- गोविंदा रेड्डी, कामारेड्डी

उत्तर : ताप तिल्ली यानी स्प्लीन अमाशय के पास स्थित लाल रंग की एक पोली ग्रंथि है, जो भ्रूण अवस्था में लाल रक्ताणु निर्माण, युवावस्था में लसीकाणु- श्वेताणु निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य करती है । यह रक्त भंडारण वह लाल रखता हूं कि कब्रगाह है । यह उसमें से हिमोग्लोबिन को अलग करती है। तिल्ली को प्लीहा भी कहते हैं। यह विषम ज्वर(मलेरिया), काला ज्वर, जलोदर , रक्त कैंसर एवं रक्ताल्पता में बढ़ जाती है। इन लोगों को रक्त परीक्षण व विशेष जांच से सुनिश्चित किया जा सकता है।

बढ़ी हुई तिल्ली और उससे उत्पन्न थकान कमजोरी का आयुर्वेद में उपचार है । विषमज्वरान्तक लौह टिकिया या ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया व ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया के संग भोजन के बाद उबालकर ठंडे किए पानी से देवें। औरा लिविन्झ टैबलेट भी इसमें अति हितकारी है। भोजन के बाद रोहितकासव, अमृतारिष्ट व ऊंझा पुनर्नवासव - तीनों की 10-10 मिलीलीटर दवा को 3 गुना पानी में मिलाकर देवें। यह किसी भी प्रकार की प्लीहा वृद्धि, उदर रोग, गुल्म,

रक्ताल्पता, उग्र शोथ व कमजोरी थकान को दूर करता है । औषधि सेवन काल में अचार, तले पदार्थ , तीखे मिर्च मसाले , व नमक का परहेज करें। बासी भोजन ना करें । दिवाशयन से बचें। अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है खूनी बवासीर से परेशान हूं। ज्यादा खून जाने से बहुत कमजोरी भी आ गई है। कृपा कर उपचार बताएं।

- प्रेम स्वरूप, महबूबाबाद

उत्तर : खूनी बवासीर को आयुर्वेद में ₹ रक्तार्श₹ कहते हैं इसे ही ब्लीडिंग पाइल्स भी कहते हैं। इस रोग का प्रमुख कारण है मलबद्धता यानी कब्जियत। खूनी बवासीर से कमजोरी जल्दी आती है। इसलिए इस रोक को ज्यादा बढ़ने देना उचित नहीं होता। इस रोग में परहेज जरूरी है। हरी मिर्च, लाल मिर्च, काली मिर्च, गरम तासीर की चीजें, बासी भोजन पूरी तरह से बंद कर देना। चाहिए मांसाहारी भोजन का त्याग कर देना चाहिए। बादी की चीजें - खासकर कोहड़ा, अरबी, आलू , भिंडी, गोभी, बैगन, गवारफली ,उड़द की दाल व सभी गरिष्ठ पदार्थ बंद कर देना चाहिए।

* औरा पाइलेज टिकिया ऊंझा, अर्शोघ्नी वटी , शोणितागर्ल रस टेबलेट भोजन के बाद दिन में तीन बार लेवे । खूनी बवासीर में बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

* भोजन के बाद उंझा अभयारिष्ट और ऊंझा वासकासव 15-15मिली लीटर दवा को दोगुने जल के साथ मिलाकर सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

* रक्तार्श के मस्से पर अर्शाकेयर क्रीम लगाएं। या मक्खन में कपूर फेंट कर रख लें। इसे दिन में दो-तीन बार लगाने से काफी आराम मिलता है।

* रात सोने से पहले सत ईसबगोल 3 भाग त्रिफला चूर्ण एक भाग मिलाकर लेवे या औरा लेक्झोल पाउडर या ऊंझा निरोग चूर्ण सोने से पहले, पानी से लेवे। पंचसकार चूर्ण भी लिया जा सकता है। इन्हीं लेने से कब्जियत मिटेगी और मल शुद्धि में आसानी होगी। कॉन्स्टिपेशन मिटने से खूनी बवासीर भी समाप्त होगा।

बढ़ता प्रदूषण कहीं रोक न दे आपके दिल की धड़कन?

गड़बड़ लाइफस्टाइल, खान-पान में अशुद्धि, नमक-चीनी के अधिक सेवन से सेहत पर गंभीर असर होता है। ये कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का कारण बन सकती हैं। यही कारण है कि डॉक्टर सभी लोगों को कम उम्र से ही अपनी दिनचर्या और खान-पान में सुधार करने की सलाह देते हैं। हालांकि आपकी सेहत के लिए बस यही दुश्मन नहीं हैं। हम रोजाना ऑक्सीजन के रूप में जो हवा ले रहे होते हैं, उसके कारण भी जोखिम बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बढ़ता वायु प्रदूषण धीरे-धीरे हमारे शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। हवा में बढ़ते सूक्षण कण, जहरीली गैसें और धुआं के कारण जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। इससे हृदय स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

वायु प्रदूषण और इसका शरीर पर असर

वायु प्रदूषण हमारे शरीर के लगभग हर हिस्से को प्रभावित करता है। हवा में मौजूद बेहद छोटे कण (PM2.5) हमारी सांस के साथ सीधे फेफड़ों में चले जाते हैं और वहां से खून में मिल जाते हैं। इसके अलावा प्रदूषित हवा में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि वायु प्रदूषण वाली जगहों पर रहने वाले लोगों में इसके दुष्प्रभाव सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह दिल, दिमाग, किडनी, यहां तक कि प्रजनन क्षमता तक को प्रभावित कर सकता है।

वायु प्रदूषण से हृदय को कैसे खतरा?

अक्सर ये मान लिया जाता है कि वायु प्रदूषण सिर्फ फेफड़ों की समस्या बढ़ाता है, लेकिन असल में इसका सबसे बड़ा खतरा हृदय

स्वास्थ्य को होता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि लंबे समय तक वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने वाले लोगों में हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा 20-30% तक बढ़ जाता है।

धमनियों में कैल्शियम का यह निर्माण हृदय और अन्य प्रमुख रक्त वाहिकाओं में खून के संचार को सीमित कर सकता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

हार्ट अटैक-स्ट्रोक का जोखिम

इसके अलावा वायु प्रदूषण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को बढ़ाकर भी हृदय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। इससे रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचता है जिससे कारण हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हृदय गति रुकने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

वायु प्रदूषण के कारण होने वाली सूजन और तनाव की स्थिति एंडोथेलियल डिस्फंक्शन का कारण बनती है, जहां रक्त वाहिकाएं ठीक से काम करने की अपनी क्षमता खो देती हैं। इसके कारण भी उच्च रक्तचाप और धमनियों में प्लाक बनने का जोखिम बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण से कैसे करें बचाव?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वायु प्रदूषण से पूरी तरह बचना कठिन है, लेकिन कुछ उपाय अपनाकर हम इसके खतरों को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

सबसे जरूरी है मास्क का इस्तेमाल करें। मास्क गंदी-प्रदूषित हवा के कणों को रोकने में सबसे असरदार हैं।

रोजाना अपने शहर के प्रदूषण का स्तर देखें। एक्यूआई ज्यादा होने पर घरों से बाहर कम निकलें।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आहार जैसे फल, सब्ज़ियां, ग्रीन टी शरीर को प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

आस्था का प्रतीक देवी माता मंदिर

जहां नवरात्रि पर दर्शन मात्र से पूरी हो जाती है मुराद

वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

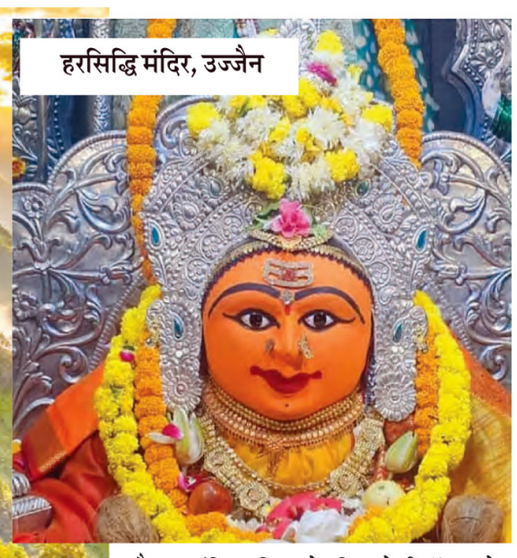

हरसिद्धि मंदिर, उज्जैन

अगर आप नवरात्रि में माता रानी के दर्शन की इच्छा रखते हैं तो देश के इन पांच सबसे बड़े देवी मंदिरों की यात्रा के लिए जा सकते हैं। यहां आपको पांच प्राचीन, चमत्कारी और विश्व प्रसिद्ध देवी माता के मंदिरों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

मां दुर्गा के नौ रूपों की हर दिन पूजा होती है। घटस्थापना करने से माता रानी का घर पर आगमन होता है, वहीं मंदिरों में भी नवरात्रि पर हर दिन विशेष श्रृंगार, भोग और पूजन की व्यवस्था की जाती है। पूरे देश भर के देवी मंदिरों में इस दौरान नजारा देखने योग्य होता है। देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटरा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनक्षी मंदिर है। इसके अलावा 52 शक्तिपीठ भी हैं, जो भारत में ही नहीं बल्कि पड़ोसी देशों, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश में भी मौजूद हैं।

अन्नपूर्णा मंदिर, वाराणसी

अगर आप नवरात्रि में माता रानी के दर्शन की इच्छा रखते हैं तो देश के इन पांच सबसे बड़े देवी मंदिरों की यात्रा के लिए जा सकते हैं। यहां आपको पांच प्राचीन, चमत्कारी और विश्व प्रसिद्ध देवी माता के मंदिरों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

जम्मू-कश्मीर के कटरा में माता वैष्णो देवी का मंदिर है। इस मंदिर को भारत का सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय देवी मंदिर माना जाता है। हर साल वैष्णो देवी मंदिर में लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। वहीं नवरात्रि में यहां का नजारा देखते ही बनता है। वैष्णो देवी माता के दर्शन के लिए भक्तों को पैदल यात्रा करनी होती है। हालांकि सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा और घोड़े व पालकी की व्यवस्था भी है। इस मंदिर से जुड़ी कई धार्मिक मान्यता है।

असम राज्य के गुवाहाटी में कामाख्या देवी मंदिर स्थित है। यह मंदिर 52 शक्तिपीठों में से एक है। यहां माता सती का योनि भाग गिरा था। कामाख्या देवी मंदिर को तंत्र साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है और देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं।

भगवान शिव की नगरी काशी में माता अन्नपूर्णा का मंदिर है जो कि देवी पार्वती का प्रमुख स्थल है। यह मंदिर भक्तों को सुख-समृद्धि और अन्न-धन का आशीर्वाद देने वाला माना जाता है। नवरात्रि के समय यहां भव्य पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी शक्तिपीठ है, जिसका नाम हरसिद्धि माता मंदिर है। इसे देश के प्रमुख शक्ति पीठों में गिना जाता है। यहां माता सती की कोहनी गिरी थी। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं, और मां काली की भव्य आरती भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव देती है।

नवरात्रि का दूसरा दिन:मां ब्रह्मचारिणी

नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। यह ब्रह्म शक्ति यानि तप की शक्ति का प्रतीक हैं। इनकी आराधना से भक्तों की तप करने की शक्ति बढ़ती है। शास्त्रों में बताया गया है कि मां दुर्गा ने पार्वती के रूप में पर्वतराज के यहां पुत्री बनकर जन्म लिया और महर्षि नारद के कहने पर अपने जीवन में भगवान महादेव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। हजारों वर्षों तक अपनी कठिन तपस्या के कारण ही इनका नाम तपश्चारिणी या ब्रह्मचारिणी पड़ा।

स्वरूप- माता अपने इस स्वरूप में बिना किसी वाहन के नजर आती हैं। मां ब्रह्मचारिणी के दाएं हाथ में माला और बाएं हाथ में कमंडल है।

महत्त्व- माता ब्रह्मचारिणी हमें यह संदेश देती हैं कि जीवन में बिना तपस्या अर्थात कठोर परिश्रम के सफलता प्राप्त करना असंभव है। बिना श्रम के सफलता प्राप्त करना ईश्वर के प्रबंधन के विपरीत है। अतः ब्रह्मशक्ति अर्थात समझने व तप करने की शक्ति हेतु इस दिन शक्ति का स्मरण करें। योग-शास्त्र में यह शक्ति स्वाधिष्ठान में स्थित होती है। अतः समस्त ध्यान स्वाधिष्ठान में करने से यह शक्ति बलवान होती है एवं सर्वत्र सिद्धि व विजय प्राप्त होती है।

॥स्तुति मंत्र॥

दधाना करपद्माभ्याम्, अक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि, ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

(जिनके एक हाथ में अक्षमाला है और दूसरे हाथ में कमण्डल है, ऐसी उत्तम ब्रह्मचारिणीरूपा मां दुर्गा मुझ पर कृपा करें।)

भोग: उपवास के बाद माता को शक्कर का भोग लगाया जाता है। इससे घर के सभी सदस्यों की आयु बढ़ती है।

नवरात्रि में रखें अपने स्वास्थ्य का ध्यान

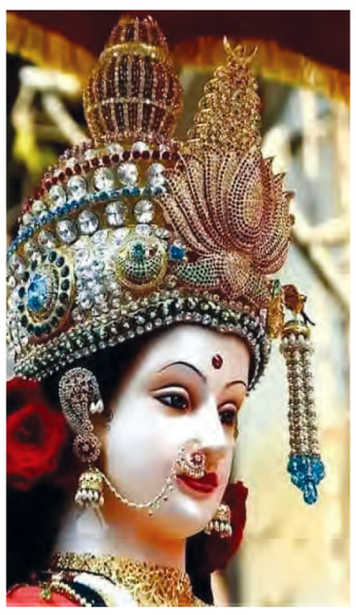

नवरात्रि में खानपान का बहुत महत्व होता है क्योंकि ये समय साधना, उपवास और शारीरिक व मानसिक शुद्धि का होता है। इस दौरान क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, यह परंपरागत नियमों व शरीर की पवित्रता के अनुसार तय किया गया है। नवरात्रि व्रत रखने वाले जातक को पूरी तरह से पवित्रता का पालन करना चाहिए। शुद्धता का भी इस व्रत में बेहद ध्यान रखने की जरूरत है। इस दौरान विचारों की शुद्धता सबसे ज्यादा जरूरी है। इस दौरान आपके मन में कई बुरे विचार, दूसरों के प्रति ईर्ष्या का भाव नहीं रहना चाहिए। इस दौरान पूर्णतः ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए साथ ही झूठ नहीं बोलना चाहिए।

शारदीय नवरात्रि का पर्व 22 सितंबर से शुरू हो रहा है। जो 1 अक्टूबर तक रहेगा। इन नौ दिनों में भक्त नवदुर्गा की पूरी श्रद्धानुसार पूजा-अर्चना करते हैं। इन दिनों मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए व्रत रखने के साथ-साथ उनके लिए विशेष पूजा-पाठ भी किया जाता है। शास्त्रों में मां के नवरात्रि व्रत के जरूरी नियम भी बताए गए हैं। नवरात्रि व्रत के नियम व व्रत में क्या खाएं, क्या न खाएं ताकि आप से व्रत में कोई गलती न हो और आपकी पूजा सफल और शुभ फलदायक रहे।

फल – सेब, केला, अनार, पपीता, अंगूर आदि।

सब्जियां- आलू, कद्दू, अरबी, खीरा, मूली आदि।

साबूदाना – साबूदाना खिचड़ी, वड़ा, खीर।

कुट्टू का आटा – कुट्टू की पूरी, पराठा, पकौड़े।

सिंघाड़े का आटा – हलवा, पूरी, पकोड़े।

शकरकंद और आलू – उबले या हल्के मसाले में बने।

समक (सांवा चावल) – खिचड़ी, खीर, पुलाव।

दूध और दही – लस्सी, छाछ, रायता।

सूखे मेवे – बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश।

मखाना – भुना हुआ या खीर के रूप में।

सेंधा नमक – साधारण नमक की जगह प्रयोग करें।

शहद और गुड़ – मिठास के लिए।

ये हैं दिल्ली के 5 'मनोकामना सिद्ध पीठ' मंदिर, यहां की चौखट से कभी खाली हाथ नहीं लौटते भक्त

नवरात्र में लोग अपनी भक्ति और मां का आशीर्वाद लेने के लिए पूजा उपासना करते हैं। भक्त माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। कहा जाता है इन नौ दिनों में आपके अंदर की आध्यात्मिक और मानसिक शक्तियां जागृत होती हैं। इन दिनों लोग अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए भी व्रत उपवास का नियम करते हैं। अगर आपकी भी कोई मनोकामना है तो दिल्ली में ऐसे कई मंदिर है जो मनोकामना सिद्ध पीठ के नाम से जाने जाते हैं। कहा जाता है इन मंदिरों में पहुंचने वाले हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। जानिए दिल्ली के सबसे प्राचीन देवी के मंदिर कौन से हैं जहां मनोकामना पूरी होती है।

दिल्ली के प्राचीन सिद्ध पीठ देवी मंदिर

झंडेवालान माता मंदिर- दिल्ली के प्राचीन देवी मंदिरों में झंडेवालान देवी माता का मंदिर शामिल है। यहां देश विदेश से भक्त दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में जाने पर मां भक्तों की सभी मनोकामना पूरी करती हैं। आप भी इस बार नवरात्रि के मौके पर झंडेवालान देवी माता के मंदिर दर्शनों के लिए जा सकते हैं। यहां आप मेट्रो से आसानी से जा सकते हैं।

कालका जी मंदिर- देवी के प्राचीन मंदिरों में कालका जी मंदिर भी शामिल है। दिल्ली में नेहरू प्लेस के पास कालका जी मंदिर स्थित है। इस मंदिर में मां दुर्गा का काली रूप है। कहा जाता है कि कालका मंदिर में भक्तों की सारी मनोकामना सिद्ध हो जाती हैं। इसीलिए कालकाजी मंदिर को मनोकामना सिद्ध पीठ के नाम से जाना जाता है।

कालका जी मंदिर

शक्तिपीठ मन्दिर है जो प्राचीन देवी के मंदिरों में से एक है। यहां देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्रि के दिनों में जो भक्त यहां पहुंचकर दर्शन करते हैं उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। छतरपुर देवी का मंदिर गुंडग़ांव-महरौली रोड़ पर पड़ता है।

गुफा वाला मंदिर- प्रीचीन देवी के मंदिरों में गुफा मंदिर भी शामिल है। ये मंदिर पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार में है। इस मंदिर को गुफा मंदिर कहा जाता है। यहां मां चिंतपूर्णी, माता कात्यायनी, संतोषी माता, देवी लक्ष्मी और ज्वाला जी की मूर्तियां हैं। मंदिर से गंगा जल की एक धारा बहती रहती है। मान्यता है कि इस मंदिर की चौखट पर पहुंचने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूरी होती है।

योगमाया मंदिर- योगमाया को देवी शक्ति का ही रूप कहा जाता है। पौराणिक मान्याओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण योग योगेश्वर हैं और भगवती योगमाया हैं। योगमाया ने मां यशोदा की कोख से जन्म लिया था। इस दुनिया में को कुछ भी दिख रहा है वो सब योगमाया की ही माया है। कहा जाता है इस मंदिर में दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामना पूरी होती है।

आद्या कात्यायिनी मंदिर- दिल्ली के छतरपुर देवी मंदिर को आद्या कात्यायिनी मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर का नाम आद्या कात्यायनी

आद्या कात्यायिनी मंदिर

योगमाया मंदिर

गुफा वाला मंदिर

नेशनल टीवी पर बॉयफ्रेंड संग शादी करेंगी टीवी की बालिका वधू, 30 को लेंगी फेरे

टीवी की दुनिया में'बालिका वधू' से घर-घर में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री अविका गौर इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड के साथ शो 'पति,पत्नी और पंगा' में नदजर आ रही हैं। अवीका अब अपनी जिंदगी का सबसे खास अध्याय शुरू करने जा रही हैं। दरअसल अविका अपने मंगेतर मिलिंद चंदवानी के साथ 30 सितंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी। खास बात यह है कि उनकी ये शादी केवल परिवार और दोस्तों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी दुनिया इसे नेशनल टेलीविजन पर देख पाएगी।

अविका ने शादी की खबर को किया कन्फर्म

अविका ने इस खुशी को साझा करते हुए कहा कि अभी भी उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि यह सब सच में हो रहा है। एचटी सिटी से बातचीत में उन्होंने कहा, 'कभी-कभी सुबह उठते ही खुद को याद दिलाना पड़ता है कि यह सपना नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी का हकीकत है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे

मिलिंद जैसा साथी मिला, जो न केवल मेरा समर्थन करते हैं बल्कि मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं।'

शो में शादी करने के पीछे का आइडिया

28 साल की अविका ने अपनी शादी को नेशनल टेलीविजन पर दिखाने का फैसला यूं ही नहीं लिया। उन्होंने कहा कि साल 2008 से वो लगातार लोगों के सामने रही हैं और दर्शकों से उन्हें हमेशा बेहिसाब प्यार और दुआएं मिली हैं। यही वजह है कि उन्होंने चाहा कि उनके चाहने वाले भी इस सफर का हिस्सा बनें। उन्होंने मुस्कुराते हुए याद किया कि बचपन में अक्सर कहा करती थीं कि या तो उनकी शादी कोर्ट में होगी, जिसके बारे में किसी को पता भी नहीं चलेगा या फिर इतनी बड़ी होगी कि पूरा देश जश्न में शामिल होगा। अब जाकर उनका वो सपना साकार हो रहा है।

परिवार का रिएक्शन

अविका ने बताया कि परिवार की बात करें तो इस फैसले को सुनकर सभी बेहद खुश हैं। अविका ने कहा, 'जब शादी का निमंत्रण सेट पर पहली बार दिखाया गया तो मां भावुक हो गईं। शादी के कार्ड अभी आधिकारिक रूप से बांटे नहीं गए हैं। परिवार का कहना है कि पहले वो सिद्धिविनायक मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेंगे, उसके बाद ही कार्ड बांटे जाएंगे।'

शादी के लुक को लेकर अविका ने साफ कहा है कि वो पारंपरिक अंदाज ही अपनाएंगी। उन्होंने बताया कि उनके लिए लाल रंग सबसे खास है और वो अपनी शादी में केवल लाल जोड़ा ही पहनेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मेहमानों से उन्होंने हल्के रंगों के कपड़े पहनने को कहा है ताकि उनकी ब्राइडल ड्रेस अलग और खास लगे।

शादी में कौन-कौन होगा शामिल?

अविका की मानें तो उनके कुछ करीबी दोस्त जैसे हर्ष लिंबाचिया, भारती सिंह, जन्नत जुबैर और अली गोनी शूटिंग शेड्यूल के चलते शादी में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन सभी ने उन्हें वीडियो संदेश और शुभकामनाएं भेजी हैं। अविका ने भावुक होकर बताया कि नागार्जुन, अनुपम खेर और महेश भट्ट जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी उन्हें आशीर्वाद भेजा है। ये प्यार और सम्मान उनके लिए बेहद खास है।

जुबीन गर्ग का दोबारा होगा पोस्टमार्टम, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने साझा की जानकारी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कुछ लोगों की मांग के बाद जुबीन गर्ग के शव का दूसरा पोस्टमार्टम होगा। मंगलवार को गुवाहाटी के अस्पताल में जुबीन गर्ग का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

असम के सीएम ने रविवार को जांच का आश्वासन भी दिया था

सिंगर जुबीन गर्ग का डेथ सर्टिफिकेट सिंगापुर हाइकमिशन द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भेजा गया था। डेथ सर्टिफिकेट में सिंगर की मौत का कारण भी स्पष्ट लिखा है। इस डेथ सर्टिफिकेट को पाने के बाद भी असम के सीएम ने जुबीन की मौत के मामले में जांच का आश्वासन परिवार को दिया था। एएनआई के अनुसार मीडिया से बात करते हुए असम

के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ' सिंगापुर हाइकमिशन ने जुबीन गर्ग का डेथ सर्टिफिकेट भेजा है, उसमें मौत का कारण डूबना बताया गया है लेकिन यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट अलग है और डेथ सर्टिफिकेट अलग है। हम डॉक्यूमेंट सीआईडी को भेजेंगे। असम सरकार के मुख्य सचिव जल्द से जल्द पोस्टमार्टम रिपोर्ट हासिल करने के लिए सिंगापुर के राजदूत से संपर्क कर रहे हैं।' अब सोमवार को असम के सीएम ने जुबीन गर्ग के शव के दोबारा पोस्टमार्टम होने की जानकारी साझा की है।

कब और कैसे हुआ सिंगर जुबीन का निधन

19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग करते हुए सिंगर जुबीन गर्ग का निधन हुआ। सिंगर जुबीन पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के लिए सिंगापुर में थे। उनके निधन के बाद महोत्सव के आयोजकों ने एक बयान जारी कर कहा कि स्कूबा डाइविंग के दौरान जुबीन गर्ग को सांस लेने में तकलीफ हुई थी, उन्हें सिंगापुर जनरल अस्पताल ले जाने से पहले सीपीआर दिया गया। लेकिन जुबीन को बचाया नहीं जा सका। जुबीन गर्ग के निधन से असम और संगीत जगत में शोक का माहौल है।

'ताकि मैं अपने तन - मन से और भी ज्यादा शुद्ध रहूं' 'रामलीला' में मंदोदरी बनने के लिए पूनम पांडे कर रहीं तपस्या

दिल्ली के लाल किला मैदान में आयोजित होने वाली 'लव कुश रामलीला' के कलाकारों में पूनम पांडे को शामिल करने का जमकर विरोध हुआ। हालांकि विरोधों के बावजूद इस रामलीला में पूनम पांडे हिस्सा लेने जा रही हैं। बता दें कि इस आयोजन के लिए एक्ट्रेस पूनम पांडे को रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाने के लिए चुना गया है। वहीं एक्टर राज बब्बर के बेटे आर्य बब्बर इस साल रावण की भूमिका में दिखेंगे। पूनम पांडे ने इसे लेकर खुशी जताते हुए एक वीडियो भी शेयर किया है।

सोशल मीडिया पर पूनम पांडे का एक वीडियो जारी किया गया है। इसमें उन्होंने बताया कि वह मंदोदरी का रोल प्ले कर रही हैं और इसके लिए उन्होंने क्या संकल्प लिया है। पूनम ने इस रामलीला मे जगह पाने को लेकर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का बेहद अहम मौका है और वह पूरे मन से मंदोदरी का किरदार निभाएंगी।

'मैं बहुत ही ज्यादा खुश हूं'

पूनम पांडे ने वीडियो शेयर कर कहा, 'दिल्ली के लाल किला में होने वाली वर्ल्ड फेमस

लव-कुश रामलीला का प्ले होते है उसमें मुझे मंदोदरी (एक जो बहुत ही इम्पॉर्टेंट कैरक्टर है जो रावण की पत्नी थी) उनका किरदार निभाने का अवसर मिला है। मैं बहुत ही ज्यादा खुश हूं। ये बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है।'

'मैं पूरे नवरात्रि के दौरान व्रत रखूंगी'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने ये भी फैसला लिया है कि मैं पूरे नवरात्रि के दौरान व्रत रखूंगी ताकि मैं अपने मन से तन से और भी ज्यादा शुद्ध रहूं इस खूबसूरत से रोल को प्लेक करने के लिए। जय श्रीराम, मिलते हैं रामलीला में।'

इस रोल पर लोगों ने काफी आपत्ति जताई थी

बता दें कि पूनम पांडे को लेकर उनके इस रोल पर लोगों ने काफी आपत्ति जताई थी। हालांकि, कमेटी इन विरोधों को दरकिनार करते हुए अपने फैसले पर अड़ी रही। बता दें कि पिछले सप्ताह की शुरुआत में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने रामलीला में पूनम पांडे को लिए जाने पर आपत्ति जताई थी। वहीं, रविवार को रामलीला कमेटी के चेयरमैन अर्जुन कुमार ने भी स्पष्ट कर दिया था कि पूनम पांडे ही मंदोदरी का किरदार निभाएंगी।

'पूनम पांडे का यह किरदार उनके जीवन को मर्यादित दिशा में ले जाएगा'

अर्जुन कुमार ने कहा था, 'स्वाभाविक है कि सभी लोग एक जैसी सोच नहीं रख सकते। कुछ लोग पूनम पांडे के चयन का विरोध कर रहे हैं, जबकि कुछ सपोर्ट में हैं। हर किसी की अपनी सोच हो सकती है। हमारा मानना है कि भले ही किसी ने पहले में बोल्ड सीन दिए हों, लेकिन जब वह प्रभु राम के इस मर्यादित मंच पर मंदोदरी जैसे पवित्र किरदार में आएंगी, जो रावण को अच्छाई का रास्ता दिखाने की कोशिश करती हैं, तो निश्चित रूप से इससे उनके मन और विचारों में सकारात्मक बदलाव आएगा। हमारा मानना है कि पूनम पांडे का यह किरदार उनके जीवन को धार्मिक और मर्यादित दिशा में ले जाएगा।'

'लव कुश रामलीला' 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक

बता दें कि 'लव कुश रामलीला' 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। इस बार रावण का किरदार बॉलीवुड एक्टर आर्य बब्बर निभा रहे हैं। राम की भूमिका में किंशुक वैद्य, सीता की भूमिका में रिनी आर्य, और परशुराम की भूमिका में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी दिखाई देंगे।

ओजी मूवी से दमदार एक्शन के साथ लौटे पवन कल्याण

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार पवन कल्याण की मच अवेटेड पीरियड गैंगस्टर ड्रामा 'दे कॉल हिम ओजी' का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की रिलीज से कुछ ही दिन पहले ट्रेलर में सुपरस्टार के दमदार डायलॉग्स और एक्शन देखने को मिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस फिल्म 'ओजी' के हर अपडेट को बारीकी से ट्रैक कर रहे थे और उत्साह अपने चरम पर था।

फैंस पवन कल्याण की इस फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर में पवन कल्याण का दमदार अंदाज देखने को मिल रहा है। उनके एक्शन ने फैंस का दिल जीत लिया है। ट्रेलर में विलेन बने इमरान हाशमी, पवन कल्याण को जबरदस्त टक्कर दे रहे हैं।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में पवन कल्याण के साथ प्रियंका अरुलमोहन फीमेल लीड में हैं, जबकि एंटैगनिस्ट की भूमिका में इमरान हाशमी नजर आएंगे। इसके अलावा श्रीया रेड्डी, प्रकाश राज, अर्जुन दास और शाम जैसी प्रमुख भूमिकाओं में कलाकार हैं।

संगीत की रचना थमन ने की है, जबकि डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर के तहत डीवीवी दानय्या और कल्याण दास इस प्रोजेक्ट के निर्माता हैं। फिल्म की कहानी को पीरियड गैंगस्टर ड्रामा के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसके किरदार और सेटअप दर्शकों को एक बड़े और ग्रिटी अनुभव की ओर ले जाएंगे।

आर्यन खान की वेब सीरीज में रणबीर कपूर ने किया 'फू-फू', अब मुसीबत पड़ी गले, क्या है पूरा मामला

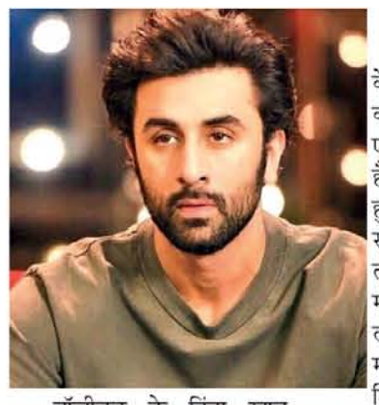

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए डेब्यू किया है. जहां बॉलीवुड सितारों की फौज देखने को मिली है. सलमान खान, करण जौहर, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर से लेकर इमरान हाशमी समेत तमाम सितारों के कैमियो है. अब इस सीरीज के चलते रणबीर कपूर की आफत बढ़ सकती है. साथ ही ये सीरीज विवादों में घिरती दिख रही हैं.

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में रणबीर कपूर का भी एक कैमियो है जहां वह करण जौहर के साथ दिखते हैं. इसी सीन को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए सीरीज के प्रोड्यूसर और एक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने को कहा है.

आखिर क्यों हुआ आर्यन की सीरीज पर बवाल

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के एक सीन में रणबीर कपूर, करण जौहर और एक्ट्रेस के साथ नजर आते हैं. जहां वह ई-सिगरेट पीते हुए दिख रहे हैं. मगर इस सीन में मेकर्स ने किसी भी तरह का डिसक्लेमर मतलब चेतावनी नहीं लगाया हुआ था. इसी मामले को लेकर एक शिकायतकर्ता ने एनएचआरसी को शिकायत की और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी कार्रवाई की मांग की है.

नोटिस जारी

शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह के सीन्स से युवाओं पर गलत असर पड़ेगा. साथ ही नियमों का उल्लंघन भी हुआ है. इस मामले में एनएचआरसी ने ऐसे कंटेंट पर रोक लगाने के लिए नोटिस भी जारी किया है.

भारत में ई-सिगरेट

इस सीन को लेकर मुंबई के पुलिस आयुक्त ने भी इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बेचने वालों को लेकर भी जांच की बात कही है. बता दें भारत में ई-सिगरेट बनाना, लाना-ले जाना, जमा करना और बेचना सब बैन है. दुनिया के कुछ ही देशों में ई-सिगरेट की बिक्री पर पूरी तरह रोक है, और भारत उन्हीं में से एक है.

इस एक्टर के पास कभी कपड़े खरीदने तक के नहीं थे पैसे, फिर खड़ा किया करोड़ों का ब्रांड

तेलुगू फिल्मों के स्टार विजय देवरकोंडा की गिनती आज देश के पॉपुलर एक्टर्स में की जाती है, पर कभी उन्होंने बुरा दौर देखा था। करियर के शुरुआती दिनों में ऐसी हालत भी थी, जब वह अपने लिए कपड़े तक अफोर्ड नहीं कर पाते थे। विजय देवरकोंडा फिल्म

'लिटिल हार्ट्स' के एक इवेंट में मौजूद थे, जहां फिल्म की सफलता का जश्न मनाया जा रहा था।

विजय देवरकोंडा ने पूरी टीम को बधाई दी और अपने कपड़ों के ब्रांड से कपड़े गिफ्ट में दिए। इवेंट में होस्ट ने देखा कि एक्टर मौली तनुज प्रशांत ने विजय के ब्रांड की शर्ट पहनी हुई थी। होस्ट ने विजय देवरकोंडा से पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें अपने ब्रांड से कपड़े गिफ्ट किए हैं या एक्टर चुरा लिए हैं क्योंकि उन्होंने प्रमोशन के दौरान उन्हें सिर्फ विजय के ब्रांड के कपड़े पहने देखा था।

यह बोले विजय देवरकोंडा

इस पर विजय देवरकोंडा ने कहा, 'मैंने मौली तनुज प्रशांत को गिफ्ट में दिए और मार्थंड (राइटर और डायरेक्टर) ने खरीदे थे। मैंने उन्हें सभी प्रोग्राम और प्रमोशन्स में 'राउडी' के कपड़े पहने देखा है। मैं सोच रहा था कि वह कितने खरीदेंगे क्योंकि मुझे पता है कि शुरुआत में क्या होता है। आप हमेशा इन्हें अफोर्ड नहीं कर सकते।'

कपड़े खरीदने के नहीं थे पैसे तो फिल्म के कॉस्ट्यूम पहने

विजय ने आगे बताया, 'मैंने 'येवड़े सुब्रमण्यम' के प्रमोशन के दौरान फिल्मों के कॉस्ट्यूम पहने थे क्योंकि मेरे पास नए कपड़े खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें कपड़े गिफ्ट किए। हालांकि, मुझे नहीं पता था कि वो इंस्टाग्राम पर खुशी-खुशी इतना कमा रहे हैं।'

विजय देवरकोंडा का करियर और स्ट्रगल

विजय देवरकोंडा ने करियर में बहुत स्ट्रगल किया है। बतौर हीरो उनकी पहली फिल्म साल 2016 में आई थी, जिसका नाम Pelli Choopulu था। लेकिन इससे पहले तक वह फिल्मों में सिर्फ साइड रोल्स ही कर रहे थे। फिर धीरे-धीरे वह तेलुगू सिनेमा में अपने कदम जमाने में कामयाब हो गए। विजय ने 'जर्सी', 'डियर कॉमरेड', 'गीता गोविंदम' और 'लाइगर' जैसी फिल्में कीं।

विजय देवरकोंडा की फीस, नेट वर्थ और क्लोदिंग ब्रांड

विजय के पास भले ही पहले कपड़े खरीदने के लिए पैसे नहीं थे, पर आज वह करोड़ों के मालिक हैं।

वह एक फिल्म के लिए 6-7 करोड़ रुपये फीस लेते हैं। वहीं, 'लाइगर' के लिए 20-25 करोड़ रुपये लेने की खबरें आई थीं। 'जीक्यू' की रिपोर्ट के मुताबिक, विजय देवरकोंडा की नेट वर्थ 39 करोड़ रुपये है। उनके क्लोदिंग ब्रांड से भी हर साल करोड़ों की कमाई होती है।

'दोगुनी सैलरी और 5 घंटे शूटिंग...' दीपिका पादुकोण के 'कल्कि 2' विवाद पर भूमि पेडनेकर-तब्बू का आया रिएक्शन

दीपिका पादुकोण पहले संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हुईं. अब 'कल्कि 2' से भी उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. एक्ट्रेस और प्रभास स्टारर फिल्म के मेकर्स के बीच क्या गलत हुआ? इसे कई मीडिया रिपोर्ट्स में समझाने की कोशिश की है. एक वीडियो में आमिर खान समझा रहे हैं कि एक प्रोडक्शन हाउस को एक्टर को कितना पेमेंट देना चाहिए, इस बीच, भूमि पेडनेकर और तब्बू ने दीपिका पादुकोण विवाद पर रिएक्शन दिया है.

भूमि पेडनेकर ने एक खबर पर रिएक्शन देते हुए कहा कि दीपिका पादुकोण को फिल्म से उनकी ऊंची डिमांड के कारण हटाया गया है. तेलुगु न्यूज पोर्टल 'द आकाशवाणी' के अनुसार, दीपिका पादुकोण ने 'कल्कि 2' के मेकर्स से अपनी पहली फिल्म की तुलना में दोगुना पेमेंट मांगा था. यह भी दावा किया गया कि दीपिका पादुकोण ने शूटिंग के दौरान अपनी टीम के लिए शानदार सुविधाओं की मांग की थी. वह हर दिन सिर्फ पांच घंटे की शिफ्ट चाहती थीं. भूमि पेडनेकर ने रिपोर्ट को इंस्टाग्राम पर 'लाइक' करके रिएक्शन दिया.

'किंग' की शूटिंग में बिजी हुईं दीपिका पादुकोण

दिलचस्प बात है कि भूमि ने दीपिका पादुकोण की शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग शुरू करने वाली इंस्टाग्राम पोस्ट को भी 'लाइक' किया. इस बीच,

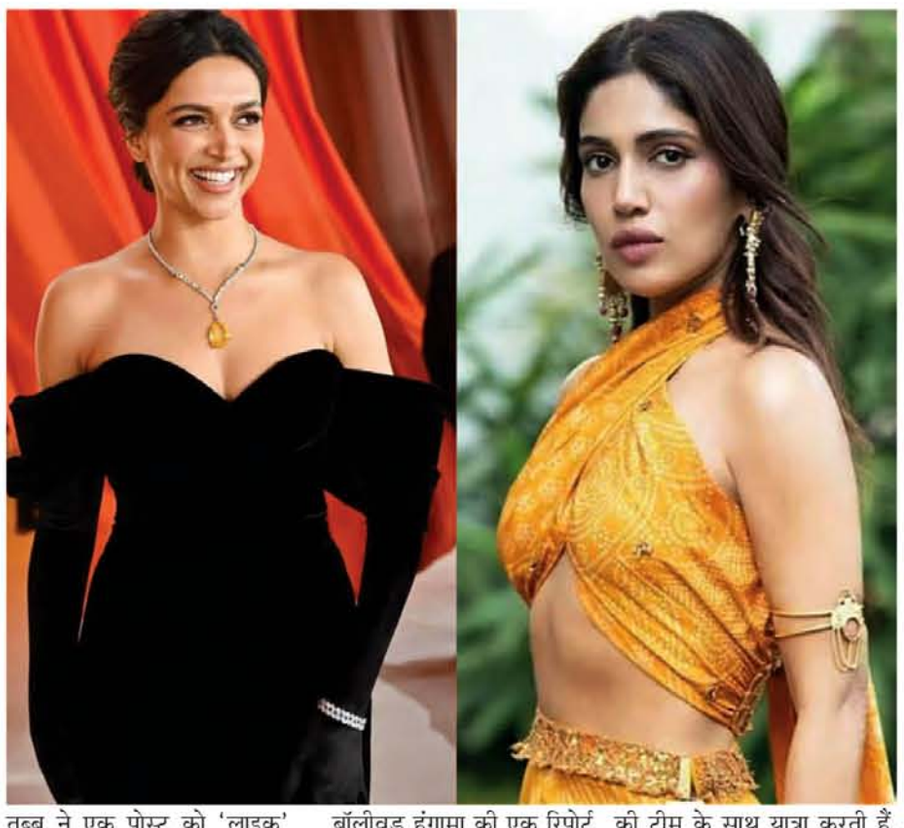

तब्बू ने एक पोस्ट को 'लाइक' किया जिसका टाइटल था, 'दीपिका पादुकोण को कल्कि और स्पिरिट से क्यों निकाला गय?'. पोस्ट में आमिर खान का एक इंटरव्यू क्लिप शामिल था, जिसमें वह समझा रहे थे कि मेकर्स की जिम्मेदारी नहीं है कि वे अभिनेताओं की टीम के लिए भी पेमेंट करें.

दीपिका पादुकोण को 'कल्कि 2' से क्यों हटाया गया?

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'कल्कि 2' के मेकर्स ने दीपिका को इसलिए हटाने का फैसला किया, क्योंकि वह अपनी फीस में 25 फीदी की वृद्धि और 7 घंटे की शिफ्ट की डिमांड कर रही थीं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स ने इन दोनों डिमांड पर एक्ट्रेस के साथ बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन वह अडिग रहीं. उसी रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि दीपिका 25 लोगों की टीम के साथ यात्रा करती हैं. एक्ट्रेस अपनी टीम के लिए 5 स्टार आवास और शूटिंग के दौरान भोजन की भी मांग कर रही थीं. जबकि मेकर्स ने उनके साथ बातचीत करने और उनकी टीम की संख्या कम करने का अनुरोध किया, दीपिका अपनी मांगों पर अडिग रहीं. 'कल्कि 2' के मेकर्स ने दीपिका के फिल्म से बाहर होने की जानकारी सोशल मीडिया के जरिये दी.

नारद लीला से रामलीला का मंचन शुरू

श्री सनातन धर्म रामलीला

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वावधान में नोएडा स्टेडियम में हो रही प्रभु श्रीराम की दिव्य लीला का मंचन गणेश पूजन से आरंभ होकर नारद मोह तक की लीला के साथ आरंभ हुआ। रामलीला का शुभारंभ पूर्व केन्द्रीय मंत्री व गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया। रामलीला में पहले दिन दर्शाया गया कि किस प्रकार नारद जी की तपस्या से इंद्र का सिंहासन डोल उठता है, और कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के लिए भेजा जाता है। कामदेव को पराजित कर नारद जी के मन में उत्पन्न अहंकार को भगवान विष्णु अपनी माया के माध्यम से नष्ट करते हैं।

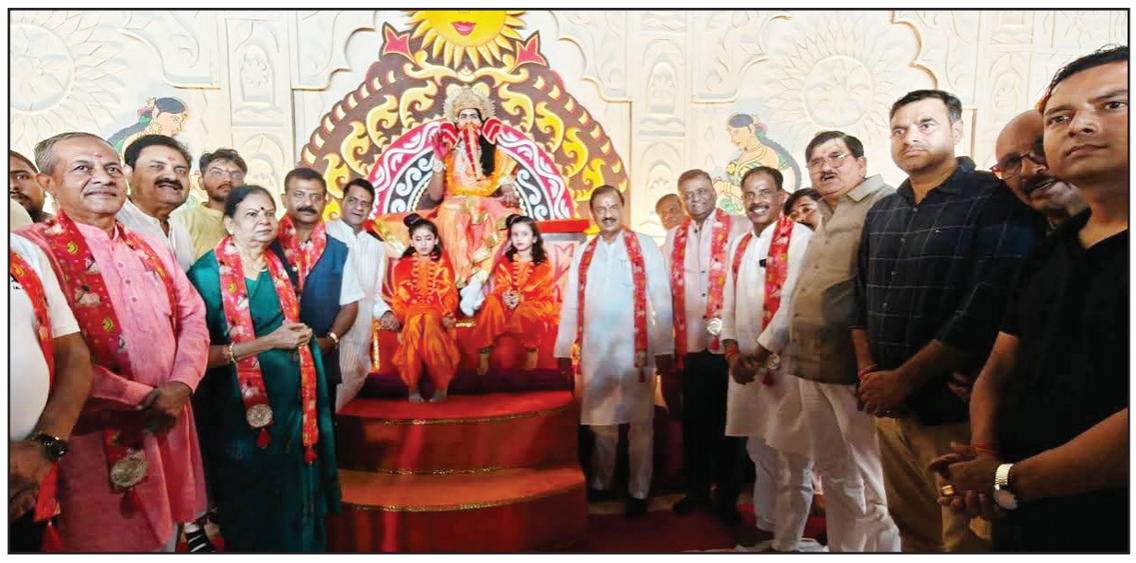

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा विगत 40 वर्षों से नोएडा में रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। नोएडा के समस्त श्रद्धालु नागरिकों का भरपूर प्यार, सहयोग और स्नेह समिति को निरंतर प्राप्त होता रहा है। लीला में दर्शाया गया कि किस प्रकार नारद जी की तपस्या से इंद्र का सिंहासन डोलने लगता है, और वे कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के लिए भेजते हैं। परंतु कामदेव को पराजित कर नारद जी के मन में अहंकार उत्पन्न हो जाता है। इस अहंकार को दूर करने के लिए भगवान विष्णु माया रचते हैं और अपने प्रिय भक्त नारद जी का अहंकार समाप्त करते हैं। रामलीला मंचन के प्रथम दिवस के अवसर पर पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग, विमला बाथम, अध्यक्ष उ0 प्र0 कृषि अनुसंधान कैप्टन विकास गुप्ता, नबाव सिंह नागर, श्रीनिवास सिंह नागर, पीयूष द्विवेदी, संस्था के चेयरमैन डा. टी.एन. गोविल, अध्यक्ष टी एन चौरसिया, अल्पेश गर्ग, अतुल मित्तल, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, संजय गोयल, पंकज जिंदल, विपिन बंसल, राजीव अजमानी, प्रदीप अग्रवाल, संजय गुप्ता, सुशील भारद्वाज, मित्रा शर्मा, चंद्रपाल सिंह, शुभकरण सिंह राणा, रमेश कुमार, एवं चितरंजन कुमार उपस्थित रहे।

सेक्टर-12 में रामलीला का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेसी नेताओं ने मुख्यथिति के रुप मे शामिल होकर सेक्टर-12 में बजरंग रामलीला संचालिका समिति के द्वारा भव्य रामलीला मंचन का शुभारंभ गणेश पूजन के साथ दीप प्रजल्लित कर शुभारंभ किया।

रामलीला नारद मोह की लीला से आरंभ हुई, मुख्यथिति के रूप में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा है कि सेक्टर 12 के निवासियों। का सौभाग्य है कि इतनी भव्य रामलीला उनके सेक्टर के बीच मं हो रही है भगवान राम के आदर्शों को पालन कर उनके। मार्ग पर चलना हमारा कर्तव्य है। प्रदेश सचिव पुरुषोतम नागर ने कहा है कि हम सबको रामलीला से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर समिति निदेशक अशोक पांडेय ने सभी नेताओं का हर्दयपूर्वक आभार व्यक्त किया।

कांग्रेसी नेताओं में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,वरिष्ठ नेता फिरे सिंह नागर, कोषाध्यक्ष संजय तनेजा,प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा,प्रदेश सचिव पुरुषोतम नागर, बागपत कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष ललित अवाना, उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी, सपा नेता चिराग शर्मा, समिति के अध्यक्ष कुलभूषण नागर, मुख्य संरक्षक राधाकृष्ण गर्ग, शिवलाल सिंह, कमलाकर त्रिपाधि, एसएन पांडेय, गुरुदयाल, मनोज तिवारी,बिके पाण्डेय,नितिन पांडेय, विरेन्द्र सिंह, राहुल पांडेय, सुनील सिन्हा सहित उपस्थित रहे।

महर्षिनगर में दुर्गा पूजा एवं रामलीला मंचन शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। महर्षिनगर नोएडा महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में शारदीय नवरात्रि के दौरान रोजाना सुबह दुर्गा पूजन एवं साय को भजन वेद पर प्रवचन तथा आरती की जायेगी। वहीं रात में 8 बजे रामलीला का मंचन किया जायेगा। यह कार्यक्रम 3 अक्टूबर तक चलेगा।

महर्षिनगर में मां दुर्गा, गणेश जी, लक्ष्मी जी, सरस्वती जी, कार्तिकेय, राम एवं लक्ष्मण की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महर्षि संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रकाश श्रीवास्तव की उपस्थिति में वैदिक विद्वानों द्वारा की गई।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के प्रभारी शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि यहां प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से दुर्गा पूजन पाठ एवं साय 7 बजे से भजन वेद पाठ करके प्रवचन होने तथा आरती होगी। महर्षि रामलीला समिति के प्रभारी रामेंद्र सचान ने बताया कि रात्रि को 8 बजे से रामलीला का मंचन होगा और 3 अक्टूबर को भरत मिलाप तथा राज्य तिलक का मंचन किया जाएगा। 2 अक्टूबर को विजयादशमी महोत्सव रावण का दहन किया जाएगा। महर्षि नगर दुर्गा पूजा में मुख्य अतिथि जगतगुरु सतीश महाराज थे।

इस अवसर पर विनोद श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव यादवेंद्र यादव, विनय श्रीवास्तव, दयाशंकर गुप्ता, एसपी गर्ग, श्रीकांत ओझा, शीशपाल सिंह यादव, कमलेश यादव, रजनीश यादव, नरेश श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला आदि मौजूद थे।

सेक्टर-45 में दुर्गा पूजा महोत्सव शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी केशरवानी वैश्य सभा नोएडा महानगर द्वारा दुर्गा पूजा महोत्सव बहुत ही हर्षोल्लास से मनाने जा रहा है। दुर्गा पूजा महोत्सव 22 सितंबर से स्टेलर ग्रीन, सेक्टर-45 में शुरू हो गई है।

केशरवानी समाज के अध्यक्ष रतन केसरी ने बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव 22 सितंबर को मूर्ति स्थापना एवं 11 बजे से महिलाओं द्वारा कलश यात्रा से शुरू हुई तथा रात्रि 9 बजे तक श्रीमदभागवत गीता पाठ हुआ जो कि 28 सितंबर तक नित्य प्रतिदिन किया जाएगा।

केशरवानी समाज के महामंत्री राजन केसरी की नवरात्रि के सप्तमी, अष्टमी, नवमी को झांकियां एवं जागरण का बहुत ही भव्य आयोजन किया जाएगा।

अखिल भारतीय केशरवानी वैश्य तरुण सभा के राष्ट्रीय महामंत्री अमित केसरी ने बताया कि अतिथि के रूप में सांसद महेश शर्मा, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, नोएडा विधायक पंकज सिंह एवं नोएडा जिला अध्यक्ष महेश चौहान इस आयोजन में उपस्थिति रहेंगे।

इस पावन कार्य में संरक्षक अशोक केसरी, उपाध्यक्ष अनूप केसरी, कोषाध्यक्ष विकास केसरी, मीडिया प्रभारी अभिषेक केसरी, मीडिया प्रभारी सूरज केसरी, सदस्य पंकज केसरी, आशीष केसरी, विकास केसरी एवं अन्य सदस्यों का विशेष योगदान है ।

'कारखाना कानून में बदलाव से बढ़ेगा श्रमिकों का शोषण'

नोएडा (चेतना मंच)। मज़दूरों के हितों और हकों पर कुठाराघात करते हुए एक बार फिर प्रदेश सरकार आजादी के तुरंत बाद बने कारखाना अधिनियम, 1948 में संशोधन कर कानून का उल्लंघन करने वाले नियोजकों को सजा दिए जाने के प्राविधान खत्म करने का प्रयास कर रही है। सजा के बजाय अब केवल जुर्माना की व्यवस्था से नियोजकों की मनमानी तथा श्रमिकों का शोषण बढ़ेगा। प्रदेश सरकार अगर यह संशोधन करती है तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा यह बात हिंद मजदूर सभा के प्रदेश सचिव ठाकुर आर.पी. सिंह चौहान ने कही।

प्रदेश सचिव ने कहा कि सरकार का मानना है कि नियमों में संशोधन करने से व्यवसाय करना आसान हो जाएगा और सजा का डर न होने से उद्योग ज्यादा लगेंगे और रोजगार बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि कारखाना अधिनियम आजादी के पहले से वर्ष 1891 में बना था, समय समय पर इसमें बदलाव करते हुए मजदूरों के हितों के लिए तमाम प्राविधान किए गए थे और कानून का उल्लंघन करने पर जुर्माने की भी व्यवस्था थी।तत्कालीन श्रम मंत्री बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संसद में कहा था कि कारखाना अधिनियम में जुर्माने के साथ साथ सजा का भी प्राविधान किया जाना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए अधिनियम की धारा-92 से धारा-106ए तक में विभिन्न प्राविधानों के उल्लंघनों के लिए अलग अलग दंड, जो कि छह माह से लेकर तीन साल तक के कारावास तक हो सकता है, का प्राविधान कारखाना अधिनियम में किया गया।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती पर एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष राधा कृष्ण गर्ग ने बताया कि इस शोभा यात्रा में वैश्य समाज के महापुरुषों महाराजा अग्रसेन, दानवीर भामाशाह, महाराजा टोडरमल, महर्षि च्यवन ऋषि, माता लक्ष्मी एवं राधा कृष्ण की झांकियां के साथ विशाल शोभा यात्रा निकाली गई, शोभा यात्रा श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 19 से सुबह भगवान गणेश की पूजा अर्चना करने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, जिला अध्यक्ष भाजपा महेश चौहान, सांसद प्रतिनिधि संजय वाली एवं समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने नारियल फोड़ कर शोभा यात्रा को रवाना किया, यात्रा मंदिर से चलकर डीएम चौक, टेलीफोन एक्सचेंज, हरौला चौराहा, बांस मंडी, स्वानी फर्नीचर चौराहा , मेट्रो हॉस्पिटल, 12 - 22 चौराहा, सुमित्रा हॉस्पिटल, सेक्टर 55-56 होते हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर सेक्टर 56 पर सम्पन्न हुई।

सुधीर चंद्र पोरवाल ने बताया कि इस भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा में छह रथ पर सवार सात स्वरूप विराजमान थे और इस शोभा यात्रा का मार्ग में दस जगह स्वागत किया गया, स्वागत करने वालों में नवीन पोरवाल, डॉक्टर शैलेन्द्र पोरवाल, श्रीमती कनक लता पोरवाल- अनिल गोयल, अनिल गर्ग- महेश जिंदल, डीपी गोयल, मुकेश गर्ग, सुशील सिंघल, प्रदीप अग्रवाल, सतपाल वंशल, डॉ वी के गुप्ता, मनोज गुप्ता एडवोकेट एवं मोहन लाल गुप्ता ने स्वरूपों को तिलक लगा कर, पुष्प माला पहनाकर एवं आरती करके व शोभा यात्रा में शामिल सभी लोगों को जल पान कराकर स्वागत किया।

नोएडा शहर में भिड़े बड़े-बड़े पहलवान

नोएडा (चेतना मंच)। स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में आयोजित 35वां विशाल दंगल इस बार भी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, ब्लॉक प्रमुख सहसवान विक्रांत यादव और सत्येंद्र यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय ग्रामीणों के साथ-साथ दूर-दराज से आए पहलवानों और दर्शकों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

दंगल में बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल.वर्मा, उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह, पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद डी.पी.यादव और दादरी विधायक तेजपाल नागर मौजूद रहे। इस मौके पर सात बार के नेशनल कुश्ती विजेता कैप्टन मलखान सिंह की उपस्थिति ने आयोजन की शान और बढ़ा दी।

पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने बताया कि इस दंगल में 350 से अधिक कुश्तियां लड़ी गईं, जो रात लगभग 9:30 बजे तक जारी रहीं। सबसे बड़ी और अंतिम कुश्ती का इनाम ढाई लाख रुपये रखा गया था, जिसे कलुआ गुर्जर ने जीतकर क्षेत्र का मान बढ़ाया। दर्शकों ने इस मुकाबले का जमकर लुत्फ उठाया। ढाई लाख की कुश्ती के अलावा एक लाख, 51,000 और 21,000 रुपये की इनामी कुश्तियों ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। पहलवानों ने अपने दमखम से खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

यह दंगल स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में पिछले 35 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। श्याम सिंह दो बार ग्राम प्रधान और एक बार जिला परिषद सदस्य रहे थे। उन्होंने अपने क्षेत्र की बेटियों के लिए कन्या विद्यालय की नींव रखी ताकि बेटियों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए। बाद में पूर्व मंत्री डीपी यादव और पूर्व एमएलसी जीतेन्द्र यादव ने उस विद्यालय का विस्तार करते हुए भव्य बिल्डिंग के साथ इंटर कालेज की मान्यता करवाते हुए बेटियों के लिए आगे के रास्ते और आसान कर दिए।